

झारखंड गजट

असाधारण अंक

झारखंड सरकार वारा काशत

सं# या-490 राँची, शु.वार,

23 आषाढ़, 1938 (श०)

14 जुलाई/जुलाई, 2017(ई०)

वध (वधान) वभाग

अ०धसूचना

4 जुलाई, 2017

संया-एल०जी०-03/2017-72/लेज०--झारखंड 3वधान मंडल का 5न6नल7खत अ०ध5नयमिजस पर रा:यपाल ;दनांक 31 मई, 2017 को अनुम5त दे चुक?ं है, इसके वारा सवCसाधारण क? सूचना के लए काशत Eकया जाता है ।

अरका जैन वववयालय अधनयम, 2017

(झारखंड अ०ध5नयम सं#या- 14,2017)

!तावना

झारखंड रा:य मG **अरका जैन** 3वववयालय क? Iथापना एवं समावेश के लए और उससे स6बN एक 5नजी 3वववयालय के आनुषं०गक मामलO क? िIथ5त दान करने हेतु एक अ०ध5नयम;

2

झारखंडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई,2017

जबEक यह समयो०चत है Eक कनाCटक से सृजित एवं पंजीकृत अरका एजुकेशनल एंड कQचरल राIT (द जे० जी० आइ० सुप) मु#य कायाCलय-091/2 डॉ० ए० एन० कृVणा राव रोड, भी० भी० पुरम, बंगलोर-560004, Zे[ीय कायाCलय-डी०-28, दा5नष ऑक] ड, ओपोजिट-ए3षयन इन हॉटल, धधक?डीह, पो०-3वVटुपुर, जमशेदपुर-831001 (पंजीयन सं#या-बी०एस०जी०-4-00138-2009-10 ;दनांक 21 नव6बर, 2009) वारा ायोजित अरका जैन 3वववयालय, राँची, झारखंड क? Iथापना तथा समावेशन और उसके अनु_प 5नजी 3वववयालय का दजाC दान करने हेतु और उससे संबN आनुषं०गक मामलO के संदभC मG आवहयक है ।

एत'वारा भारतीय गणरा:य के अड़सठवे वषC मG झारखंड 3वधान-सभा वारा 5न6नल7खत _प मG अ०ध5नयमत Eकया जाता है:-

ारं#भक

1. सं%&'त नाम, व!तार एवं ारंभ:-

- 1) यह 3वधेयक "अरका जैन 3वववयालय अ०ध5नयम, 2017" कहा जाएगा ।
- 2) इसका 3वातार स6पूणC झारखंड रा:य मG होगा ।
- 3) यह उस 5त0थ से वृत होगा जैसा Eक रा:य सरकार वारा शासक?य राजप[मG अ०धसूचनाजारद कर 5नयत Eकया जाय ।

2. प*रभाषा:-

अगर इस अ०ध5नयम के संदभC मG अल्यथा अपेIत/आवहयक हो:

- a) 'अकादमक पुरष' का अथC है 3वHव3वयालय क? अकादमक पुरष जैसा Eक अ0ध5नयम क? धारा-24 मG व7णCत है;
- b) 'वा3षCक 5तवेदन' का आशय है 3वHव3वयालय का वा3षCक 5तवेदन जैसा अध5नयम क? धारा-39 मG संदभCत है;
- c) 'बंधन' बोडC' का अथC है, इस अ0ध5नयम क? धारा-23 के तहत ग;ठत 3वHव3वयालय का बंधन बोडC;
- d) 'पुरसर' का आशय है 3वHव3वयालय का पूणC Zे[फल जहाँ यह अविथत है;
- e) 'कुला0धप5त' से आशय है 3वHव3वयालय के कुला0धप5त, जो इस अ0ध5नयम क? धारा-12 के अधीन 5नयुत हो;

झारखडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017

3

- f) 'मु#य 3वुत एवं लेखा पदा0धकारद' का अथC है 3वHव3वयालय के मु#य 3वुत एवं लेखा पदा0धकारद जो अ0ध5नयम क? धारा-18 के अधीन 5नयुत हो;
- g) 'परदZा 5नयंक' का अथC है 3वHव3वयालय के परदZा 5नयंक, िजनक? 5नयुित अ0ध5नयम क? धारा-19 के अधीन हुई हो;
- h) 'अंगीभूत महा3वयालय' से आशय है वैसे महा3वयालय अथवा सांथान जो 3वHव3वयालय वारा संपो3षत हो;
- i) 'कमCचारद' से आशय है 3वHव3वयालय वारा 5नयुत कमCचारद; इसके अेतगCत 3वHव3वयालय एवं अंगीभूत महा3वयालय के शZक एवं अेय कमCचारद भी समा;हत हm;
- j) 'Iथायी 5न0ध' का अथC है 3वHव3वयालय क? Iथायी 5न0ध िजसक? Iथापना अ0ध5नयम क? धारा-37 के तहत हुई हो;
- k) 'संकाय' से आशय है समान अनुशासनO के अकादमक 3वभाग;
- l) 'शुQक' का आशय है 3वHव3वयालय वारा 3वया0थCयो से उगाहद गयी राश, जो Eकसी पानय,म तथा उससे संबंधत हो;
- m) 'सामाेय 5न0ध' से आशय है 3वHव3वयालय क? सामाेय 5न0ध, िजसक? Iथापना अ0ध5नयम क? धारा-38 के अेतगCत हुई हो;
- n) 'शासी 5नकाय' का अथC है 3वHव3वयालय का शासी 5नकाय, िजसका गठन अ0ध5नयम क? धारा-22 के तहत हुआ हो;
- o) 'राVRदय मूQयांकन एवं जयायन पुरष' से आशय है राVRदय मूQयांकन एवं जयायन पुरष, बGगलु, 3वHव3वयालय अनुदान आयोग क? एक Iवायुत सांथा;
- p) '3व;हत'/'5नयत' का अथC है इस अ0ध5नयम के तहत 3व;हत/5नयत पुर5नयम और 5नयमावलद;
- q) '5त-कुलप5त' का अथC है 3वHव3वयालय के 5त कुलप5त, िजनक? 5नयुित अ0ध5नयम क? धारा-15 के तहत हुई हो;
- r) 'कुलस0चव' का अथC है 3वHव3वयालय के कुलस0चव, िजनक? 5नयुित अ0ध5नयम क? धारा-17 के तहत हुई हो;
- s) '5नयंी 5नकाय' का आशय है भारत सरकार वारा उoच शZा के अकादमक Iतर के सु5नHचयन हेतु मानकO एवं शतp के 5नधाCरण के लए Iथा3पत 5नकाय, यथा-3वHव3वयालय अनुदान आयोग, अ7खल भारतीय तकनीक? शZा पुरष, राVRदय शZक शZा पुरष, भारतीय

4

झारखडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017

0चEकजसा पुरष, बार काउंसल ऑफ इंडया, फाम]सी काउंसल ऑफ इंडया, राVRदय मूQयांकन एवं जयायन पुरष, भारतीय नसंग पुरष, भारतीय कृ3ष अनुसंधान

पुर्ण, वैसा 5नक एवं औयो0गक शोध पुर्ण आ;द तथा इसके अलावा सरकार अथवा कोई वैसा 5नकाय, जो भारत सरकार या रा:य सरकार वारा ग;ठत Eकया गया हो;

- t) '5नयमावलद' से आशय है इस अ0ध5नयम के अतगCत 5नमCत 5नयमावलद;
- u) 'अनुसूची' का अथC है इस अ0ध5नयम के तहत संलन अनुसूची;
- v) 3वHव3वयालय से संबं0धत 'वतCक 5नकाय' का अथC है:-
 - i) सोसाइटीज रिजार्ेशन एट, 1860 के अतगCत कोई सांथा, अथवा
 - ii) इंडियन राट एट, 1882 के अधीन पंजीकृत कोई लोक एयास, अथवा
 - iii) Eकसी रा:य क? 3व0ध के अनु प पंजीकृत कोई सांथा या एयास।
- w) 'रा:य सरकार' से आशय है झारखड क? रा:य सरकार;
- x) 'पुर्ण5नयम' 'अव्यादेश' और '3व5नयम' का मश: आशय है, पुर्ण5नयम, अव्यादेश और 3व5नयम जो इस अ0ध5नयम के अतगCत 3वHव3वयालय वारा 5नमCत हो;
- y) '3वHव3वयालय के 3वयाथw' का अथC है 3वHव3वयालय मG उपा0ध, qडxलोमा अथवा 3वHव3वयालय वारा Iथा3पत अेय अकादमक 3वशVटता ाIxत करने हेतु एक पानय,म मG नामांककत yयित, िजसमG शोध-उपा0ध भी शामिल है;
- z) 'शZक' से आशय है ोफेसर, एसोसिएट ोफेसर, असाटेेट ोफेसर अथवा इस तरह के अेय yयित, िजनक? 5नयुित 3वHव3वयालय या Eकसी अंगीभूत महा3वयालय या सांथा मG 5नदशत करने (शZण) अथवा शोधकायC संचालन हेतु हुई हो, इसके तहत अंगीभूत महा3वयालय अथवा सांथान के धानाचायC भी सि6मलत हm, िजनक? संपुिवट 3वHव3वयालय अनुदान आयोग वारा 5नधाCगुरत 5नयमO के अतगCत हुई हो;
- aa) '3वHव3वयालय अनुदान आयोग' से आशय है 3वHव3वयालय अनुदान आयोग अ0ध5नयम, 1956 के अधीन Iथा3पत 3वHव3वयालय अनुदान आयोग;
- ab) '3वHव3वयालय' का अथC है इस अ0ध5नयम के अतगCत झारखड मG Iथा3पत अरका जैन 3वHव3वयालय;
- ac) 'कुलप5त' से आशय है 3वHव3वयालय के कुलप5त, िजनक? 5नयुित इस अ0ध5नयम क?धारा-13 के तहत हुई हो;

झारखडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई,2017

5

- ad) '3विजटर'/'अ5त0थ'/'आगंतुक' से आशय है 3वHव3वयालय के 3विजटर/अ5त0थ/आगंतुकयथा इसअ0ध5नयम क? धारा-10 मG व7णCत है।

3. वववयालय क- !थापना:-

- (1) 3वHव3वयालय क? Iथापना अरका जैन 3वHव3वयालय के नाम से होगी।
- (2) 3वHव3वयालय का मु#यालय झारखड रा:य के अतगCत होगा तथा यह ग6हगुरया, सरायकेला-खरसावॉ मG अविथत होगा।
- (3) वतCक 5नकाय को रा:य सरकार वारा ा0धकार प् जारत Eकये जाने के बाद हद 3वHव3वयालय का संचालन आरंभ Eकया जायेगा।
- (4) इस अ0ध5नयम क? अनुसूची 'ए' मG सि6मलत शतp को 3वHव3वयालय 5नधाCगुरत समयाव0ध मG पूरा करेगा।
- (5) 3वHव3वयालय के शासी 5नकाय, बंधन बोडC, अकादमक पुर्ण, कुला0धप5त, कुलप5त, 5त कुलप5त, कुलस0चव, शZक, मु#य 3वजत एवं लेखा पदा0धकारद एवं अेय अ0धकारद यासदाय या ा0धकारद एत' वारा 3वHव3वयालय के नाम से ग;ठत 5नकाय बनाएंगे जब तक वे इस पद पर है अथवा उनक?सदायता बनी रहेगी।

- (6) 3वहव3वयालय एक अस6बN 3वहव3वयालय के प मG कायC करGगे और वे एकसी भी महा3वयालय या सांथान मG नामांकन 3वया0थCयO को उपा0ध (qडसी), qडxलोमा और माण-पु दान करने हेतु सबNता नहदं दे सकG गे।
- (7) वतCक 5नकाय के अंगीभूत महा3वयालय और सांथान, जो स6बNता ाxत हm और 3वहव3वयालय के 3वशेषा0धकार का उपयोग कर रहे हm वे इस अध5नयम के भावी होने के साथ हद उस 3वहव3वयालय से अस6बN हो जाएंगे, उनक? ऐसी सु3वधाएँ इस अध5नयम के लागू होने के साथ समाxत हो जाएंगी और **अरका जैन** 3वहव3वयालय के वतCक 5नकाय वारा दृजत सु3वधाओं के साथ ऐसे महा3वयालय और सांथान उस **अरका जैन** 3वहव3वयालय के अंगीभूत महा3वयालय या सांथान बन जाएंगे।
- (8) **अरका जैन** 3वहव3वयालय नाम से एक 5नकाय होगा और इस अध5नयम के ावधानO के अनु प उसके पास सतत् पद-ािखत अनु,म और सामाेय 5तsा माणन क? शिit होगी, स6प5त Sहण करने व उस पर आ0धपुय रखने, उसे अनुबंध/सं3वदा पर देने अथवा क0थत नाम से वाद चलाने के अधकार हOगे या िजस पर वाद दायर एकया जा सकेगा।
- 6 झारखडगजट(असाधारण)शु,वार, 14जुलाई,2017

- (9) 3वहव3वयालय रा:य सरकार अथवा केe सरकार से एकसी भी कार के अनुदान अथवा 3वृतीय सहायता ाxत नहदं कर सकG गे।
बशतj एक रा:य सरकार अथवा केe सरकार अनुदान या अेय तरdके से 3वृतीयसहायता दे सकती है:
- a) शोध 3वकास और अेय ग5त3व0धयO के लए जैसे रा:य सरकार के अेय संगठनO को3वृतीय सहायता उपलध करायी जाती है अथवा
- b) 3वशVट शोध अथवा कायC,म आधाgुरत कोई ग5त3व0ध;

4.ववयालय क- स/पत एवं इसके अनु योग:-

- (1) 3वहव3वयालय क? Iथापना हो जाने पर भूम और अेय चल एवं अचल स6प5तयाँ, जो झारखड रा:य मG 3वहव3वयालय के उेहय (पू5तC) के लए अधS;हत, सृजित, ययविधतया 5नमCत क? जाती हm, वे 3वहव3वयालय मG 5न;हत हOगी।
- (2) 3वहव3वयालय वारा भूम, भवन और अेय अधS;हत स6प5तयाँ एकसी अेय उेहय के लए इातेमाल नहदं हOगी सवा िजस उेहय के लए वे अधS;हत क? गयी हm।
- (3) 3वहव3वयालय क? चल अथवा अचल स6प5तयO का बंधन शासी 5नकाय वारा 3व5नयमO मG दृजत रद5त के अनु प एकया जायेगा।
- (4) उप धारा-(1) के अेतगCत 3वहव3वयालय के नाम से हातांतgुरत स6प5त को 3वहव3वयालय के 3वघटन अथवा समापन के फलाव प 5नधाCgुरत ढंग से 5नयमावलd मG व7णCत तरdके से युित एकया जाएगा।

5.ववयालय के नब4धन/अवरोध और बा6यताएँ:-

- 1) 3वहव3वयालय के ययावसायक पाnय,मO, यथा-अभयंण एवं ौयो0गक?, 0चएक;सा-शाII, बंधन आ;द के लए शZण-शुQक का 5नधाCरण 3वहव3वयालय के वारा रा:य सरकार वारा अधसू0चत समय-समय पर 5नयामक 5नकाय, जैसा वह उ0चत समझेगी, केपयCवेZण मG एकया जाएगा।
- 2) 3वहव3वयालय मG नामांकन पूरd तरह योतयता के आधार पर होगा। 3वहव3वयालय मG नामांकन क? योतयता का 5नधाCरण ाxतांक या अहCता परdZा मG ाxत Sेड और पाnयेतर और अ5तgुरित पाnयचयाC ग5त3व0धयO अथवा रा:य Iतर पर 3वहव3वयालय या 3वहव3वयालयO के संगठन या रा:य सरकार के एकसी अभकरण वारा

- पाण्य,म का मुण्य शङ्का मग पुनःनमःकरण एवं नवाचार, शङ्क के नवीन तरिके, शङ्क तथा अ०धमग ऑनलाइन अ०धमग संहत, सि०म०, त अ०धमग, सतत् शङ्का एवं अ०य तरिके तथा एककृत एवं यथितिव का हतकर ३वकास;
- ३व३वध अनुशासन० मग अवययन;
- अंतर अनुशासनक अवययन;
- रावरदय अखंडता, धमःनरपेक्षा एवं सामाजिक समता तथा अंतररावरदय मेल मलाप एवंनीतिशास्त्र।

7.वववयालय #लंग, धमः, वगः, रंग, पंथ, अथवा मत से परे सबके #लए खुला होगा:-

एकसी भी यथित को ३वहव३वयालय के एकसी कायालय अथवा उसके एकसी अ०य ा०धकार क? सदायता से अथवा एकसी ढडसी, ढडखलोमा अथवा अ०य अकादमक वैश्वीय पाण्य,म मग नामांकन से लंग, मत, वगः, जाति, ज०म के धान और धामक ३वहवास अथवा राजनीतिगत या अ०य मतवाद के आधार पर पक्षपात या भेदभाव कर वंचित नहदं एकया जाएगा।

8.वववयालय के कायः एवं शिःतयः:-

- ३वहव३वयालय का शासन एवं बंधन, इसके अंगीभूत महा३वयालय० का शासन एवं बंधन तथा शोध, शङ्क, शङ्क के के० का ३वातार एवं सतत् शङ्का, दूराथ अ०धमग एवं ई-ल०नग के ३वातार एवं पहुँच को इसके झारखड राःय मग अविथत पुरसर मग संचालन व बंधन;
- ३वस०न, ौयो०गक?, मान३वक?, समाज ३वस०न, शङ्का-शास्त्र, बंधन, वा०णःय, ३व०ध, फामसी, वा०य सेवा एवं अ०य ङे० मग शोध, उ०च शङ्का, य०वसायक शङ्का, शङ्क-शङ्क, सतत् शङ्का, दूराथ अ०धमग एवं ई-ल०नग के संसाधन० को उपलब्ध कराना;
झारखडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई,2017
- शैक्षक ौयो०गक?, शङ्क एवं अ०धमग ए०य मग नवाचार योग, रावरदय एवं अंतररावरदय संथाओं के साथ सहयोग एवं वैसी संथाओं को संयुक्त कायः,म० का ताव देना जिससे शङ्का के ३वतरण एवं अंतररावरदय मानक० को ३वकसत एवं ा०त करने मग ५नरंतरता रहे;
- शङ्का दान करने मग लचीलेपन के लए ५नधाकुरत पाण्य,म, पाण्यचयाक एवं णालद मग इले०र०नक एवं दूराथ अ०धमग ३वःहत करना;
- परदका का आयोजन तथा एकसी यथित के नाम ३वहव३वयालय वारा तय शतप केसाथ उपा०ध, ढडखलोमा या माण-प और अ०य अकादमक ३वशवृता दान करना अथवा ३व५नयम० मग व०णकत तरिके से उस उपा०ध, ढडखलोमा या माण-प और अ०य अकादमक ३वशवृता या नाम को वापस लेना;
- फेलोशप (शङ्कावृत्ति), छावृत्ति, पदक और पुराकार धा३पत एवं दान करना;
- पुर५नयम मग व०णकत तरिके के अनु प मानद उपा०ध या अ०य ३वशवृता दान करना;
- उ०हय० क? ा०त मग आव०यक सहायता के लए कूल, के०, संथान, महा३वयालय क? धापना और ३वहव३वयालय के मतानुसार कायः,म० तथा पाण्य,म० का आयोजन;
- ३वहव३वयालय के मतानुसार शङ्का दान करने व योजन० के ोजसाहन के लए एकसी महा३वयालय, के०, संथान को अंगीभूत महा३वयालय घोषित करना या नये अंगीभूत महा३वयालय, के०, संथान क? धापना करना;
- शोध, शङ्क सामसी एवं अ०य कायप के लए मुण, काशन एवं पुनर्पादन हेतु बंधन एवं दशःनय०, स०मेलन०, कायःशालाओं एवं संगोविठय० का आयोजन;
- स०न संसाधन के० क? धापना;
- ३वस०न, ौयो०गक?, मान३वक?, समाज ३वस०न, शङ्का, बंधन, वा०णःय, ३व०ध, फामसी, वा०यसेवा एवं अ०य स०बन ङे० मग अनुसंधान तथा शैक्षक कायः,म० का आयोजन एवं दा५यव वहन करना;

- (xiii) समान उद्देश्य के लिए एक ही शैलिक साधन के साथ सहयोग व संबन्धता;
- (xiv) 3वर्षीय बालिका के उद्देश्य के लिए आभासी (वचनिक) प्रसरण समेत प्रसरण के लिए प्राप्ति;
- (xv) प्रत्येक कक्षा के शोध, योजना अधिकारी एवं ऐसे समान अधिकारी के साथ समन्वय के साथ समन्वय के संबंध में प्रतीक्षण का दावा लेना;

10

झारखण्ड गजट (असाधारण) शु.वार, 14 जुलाई, 2017

- (xvi) 3वर्षीय बालिका के आंशिक अथवा पूर्ण उद्देश्य के लिए हेतु दुनिया के एक ही भी; हाथों के शैलिक एवं अर्थ साधन, 3वर्षीय बालिका के साथ 3वर्षीय, शोधार्थी, शिकार, कमर्चागरी के आदान-दान के द्वारा संबंध अथवा सहयोग बनाना जैसा वो उचित समझे;
- (xvii) अनुसंधान, शिकार, परामर्श तथा इस कारण के अर्थ सेवाएँ देना, जो 3वर्षीय बालिका के योजन के लिए आवश्यक हो;
- (xviii) शिकार, शोधार्थी, शासक एवं 3वर्षीय, औद्योगिक, मानविक, समाज 3वर्षीय, शिकार, बंधन, 3वर्षीय, वाणिज्य, फार्मासी, स्वास्थ्य सेवा एवं सैन्य के विशेष के बीच 3वर्षीय बालिका के लक्ष्य के लिए संबंध बनाये रखना;
- (xix) म;हलाओं एवं अर्थ वित्त 3वर्षीय के लिए 3वर्षीय बालिका द्वारा यथासंभव वांछनीय विशेष व्यवस्था करने पर प्रचार;
- (xx) 3वर्षीय बालिका के व्यवसाय का नियमन, 3वर्षीय का बंधन एवं लेखा का रख-रखाव;
- (xxi) 3वर्षीय बालिका के उद्देश्य एवं लक्ष्य के लिए हातांतरण द्वारा 5वर्षीय, चल एवं अचल संपत्ति, उपाकरण, सौकर एवं अर्थ संसाधन को व्यवसाय, उद्योग, समाज के अर्थ वगैरे, राश्री एवं अंतरराश्री संगठन अथवा एक ही अर्थ क्षेत्र से उपहार, दान, उपहार या वसीयत के रूप में प्रदान करना;
- (xxii) 3वर्षीय के लिए सभागार, छात्रावास एवं शिकार तथा कमर्चागरी के 5वर्षीय के लिए आवास का 5वर्षीय, रख-रखाव एवं व्यवस्था;
- (xxiii) खेल, सांस्कृतिक सह-प्रान्यचर्या एवं अस्तरित प्रान्यचर्या गतिवर्धन के लिए उद्देश्य के लिए केले, प्रसरण, सभागार, भवन, इंटिग्रिटी का 5वर्षीय, बंधन तथा रख-रखाव;
- (xxiv) 3वर्षीय बालिका के 5वर्षीय 3वर्षीय, शिकार तथा कमर्चागरी के लिए अनुशासन बनाये रखने और उनके स्वास्थ्य, सामर्थ्य कल्याण, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिवर्धन के प्रोत्साहन, संवर्धन हेतु प्रयत्न, 5वर्षीय तथा 5वर्षीय;
- (xxv) प्रत्येक 5वर्षीय द्वारा 5वर्षीय फर्श एवं अर्थ शुद्धि कर देना, मांगना तथा प्रदान करना;
- (xxvi) फैलोशिप (शोधवृत्ति), छात्रवृत्ति, पुरस्कार, पदक एवं अर्थ पुरस्कार के लिए प्राप्ति;
- (xxvii) 3वर्षीय बालिका आवश्यकता या योजन को पूरा करने के लिए विट से एक ही भूमि या भवन को खरीदने, पक्ष पर लेने या उपहार वसीयत, 3वर्षीय या अर्थ तरिके से कायक हेतु प्रदान कर सकेगा और यह उन 5वर्षीय व शतक के रूप में प्रदान की जा सकती है, जिससे एक ही भवन को बनाने या कायक करने, उसमें प्रवेश करने और रख-रखाव हेतु उचित हो;

झारखण्ड गजट (असाधारण) शु.वार, 14 जुलाई, 2017

11

- (xxviii) 3वर्षीय बालिका के; हत, गतिवर्धन एवं उद्देश्य के लिए संगति के लिए विट से जो मर्थ्य हो, उसके अनु रूप 3वर्षीय बालिका के चल या अचल संपत्ति या उसके एक ही; हाथों को बेचने, 3वर्षीय, पक्ष या अर्थ तरिके से बंधित करना;
- (xxix) 5वर्षीय और समर्थन, कटौती और वाता, वचनपत्र नोट, 3वर्षीय पत्र, चेक और अर्थ 3वर्षीय उपाकरण आकषित और प्रतिकार करना;

(xxx) 3वHव3वयालय के सभी खचप को पूरा करने के लिए 3वHव3वयालय क? 5न0ध को बढ़ाना और बांड पर उधार लेना, बंधक, वचनप नोट या अेय दा5यजवO या 5तभू5तयO क? Iथापना या स6पूणC अथवा 3वHव3वयालय क? एकसी संपिजित और पुरस6पिजित अथवा □बना एकसी 5तभू5त और माेय 5नयमO और शतप के अनुप करना;

9. स/ब@ता के अवरोधक:-

- 1) 3वHव3वयालय को एकसी महा3वयालय या सांथा को स6बNता देने का 3वशेषा0धकार नहदं होगा।
- 2) 3वHव3वयालय अनुदान आयोग अथवा सरकार वारा Iथा3पत ऐसे अेय 5नयामक 5नकायO अथवा केे या रा:य सरकार, जैसा भी हो, के वारा पूवC Iवीकृ5त के पमचात् हद 3वHव3वयालय अपने पुरसर के अलावा कोई दूरवतw पुरसर, अपतट पुरसर, अवययन केे, परदZा केे झारखड रा:य के अेदर या बाहर शु कर सकेगा।
- 3) दूराथ णालd से पाnय,मO क? शु आत केवल 3वHव3वयालय अनुदान आयोग अथवा सरकार वारा Iथा3पत ऐसी 5नयामक सांथा क? पूवC Iवीकृ5त के बाद क? जाएगी।

10. आगंतुक (विजटर):-

- 1) झारखड के रा:यपाल 3वHव3वयालय के 3विजटर (आगंतुक) हOगे।
- 2) आगंतुक (3विजटर) जब दdZांत समारोह मG qडसी (उपा0ध), qडखलोमा, चाटCर, ओहदा (पदनाम) और माण-प दान करने के लिए मौजूद रहGगे तो उसक? अवययता करGगे।
- 3) 3वHव3वयालय अथवा 3वHव3वयालय वारा संपो3षत एकसी सांथान के शZा के Iतर, अनुशासन, शVटाचार और समु0चत E,याशीलता को सु5निहचत करने क? ँVट से आगंतुक को 3वHव3वयालय के □मण/दौरे का अ0धकार होगा।

12

झारखडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017

ववयालय के अधिकारC

11. ववयालय के न/न#लDखत अधिकारC हEगे:-

- | | |
|---|---------------------------------|
| a) कुला0धप5त | b) कुलप5त |
| c) 5त-कुलप5त | d) 5नदेशक/धानाचायC |
| e) कुलस0चव | f) मु#य 3वजत एवं लेखा पदा0धकारd |
| g) परदZा 5नयंक | h) छा कQयाण संकायावयZ |
| i) संकायावयZ | j) कुलानुशासक और |
| k) 3वHव3वयालय मG अेय ऐसे अ0धकारd जो पुर5नयम वारा घो3षत एकये जाएंगे। | |

12. कुलाधपत:-

- 1) कुला0धप5त क? 5नयुित वतCक 5नकाय वारा पाँच वषप क? अव0ध के लिए आगंतुक (3विजटर)

के अनुमोदन के पमचात् 5नधाCग्रत E,याओं तथा एतसंबंधी 5नयमO एवं शतप के अनुप क?

जाएगी। कायCकाल पूरा होने के पमचात् कुला0धप5त आगंतुक क? सलाह के बाद वतCक 5नकाय

वारा पुन5नयुित एकये जा सकG गे।

- 2) कुला0धप5त अपने कायाCलय पद के अ0धकार से 3वHव3वयालय के धान हOगे।

- 3) कुला०धप०त शासी ५नकाय क? बैठक० क? अ०य०ता कर०गे और जब आगंतुक (३विजटर) मौजूद नह०ं रह०गे तब उपा०ध (०ड०सी), ०ड०खलोमा या अ०य अकादमक ३वश०टता दान करने हेतु द०द०तांत

समारोह क? अ०य०ता कर०गे।

- 4) कुला०धप०त अपने हाथ से ल०खत व वत०क ५नकाय को संबो०धत कर अपने पद से इातीफा दे

सकते ह०म।

- 5) कुला०धप०त को ५न०नल०खत अ०धकार ह०गे, यथा:-

- एकसी भी जानकार० या अभलेख क? माँग करने;
- कुलप०त क? ५नयु०ित;
- इस अ०ध५नयम के ावधान० के अनु०प कुलप०त को हटानेऔर
- इस अ०ध५नयम या प०र५नयम० के वारा द०त अ०य शि०तयाँ।

झारखडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई,2017

13

13.कुलपत:-

- कुलप०त क? ५नयु०ित कुला०धप०त ३व०व३वयालय अनुदान आयोग वारा ५नधा०रुत यो०यताओं के अनु०प कर०गे और ये पाँच साल क? अव०ध के ल०ए अपने पद पर बने रह०गे। बशत० एक कुलप०त पाँच वष०क क? अव०ध पूर० होने के प०हचात् पाँच वष०क के एक और काय०काल के ल०ए पुन५नयु०ित के पा० ह०गे। शत०क यह रहेगी एक कुलप०त के ०प म०ग ५नयु०ित य०यित 70 वष०क क? आयु पूर० करने के बाद अपने पद से, काय०काल के दौरान या ३वाता०रुत काय०काल से सेवा५नवृत्त हो जाएगा।
- कुलप०त ३व०व३वयालय के मु०य काय०कार० और अकादमक अ०धकार० ह०गे और ३व०व३वयालय के मामल० म०ग सामा०य अधी०ण और ५नयं०ण का योग कर०गे तथा ३व०व३वयालय के ३व०भेन ा०धकार० वारा ल०ए गए फैसल० पर अमल कर०गे।
- आगंतुक (३विजटर) और कुला०धप०त क? गैर मौजूदगी म०ग ३व०व३वयालय के द०द०तांत समारोह क? अ०य०ता कर०गे।
- कुलप०त य;द यह अनुभव कर०ग एक एकसी मामले पर त०काल कार०वाई आव०यक है, तो वे ३व०व३वयालय के एकसी ा०धकार काइस अ०ध५नयम के तहत द०त शि०तय० का इातामोल कर सकते ह०म और उस ा०धकार को संब०न मामले म०ग कृत कार०वाई क? जानकार० दे सकते ह०म।

बशत० एक ३व०व३वयालय का ा०धकार या ३व०व३वयालय क? सेवा का अ०य य०यित य;द कुलप०त वारा कृत कार०वाई से य०य०थत है तो इस उप धारा के तहत इस ५नण०य के सं०षत होने क? ५त०थ के एक माह के भीतर कुला०धप०त के सम०अ अपील कर सकता है। कुला०धप०त, कुलप०त वारा क? गयी कार०वाई को संपु०ट, संशो०धत या प०रव५त०त कर सकते ह०म।

- 5) कुलप०त ऐसी शि०तय० और इस तरह के अ०य काय० ५नधा०रुत दायरे म०ग कर सकते ह०म।

14.कुलपत क- पद०युत:-

- कुला०धप०त को य;द एकसी समय एकसी जाँच के प०हचात् आव०यक लगे या तीत हो एक कुलप०त:
 - इस अ०ध५नयम, प०र५नयम, अ०यदेश के तहत द०त कत०य० के ५नव०हन म०ग ३वफल रहे ह०गे; अथवा

- 14 b) 3वहव3वयालय के ;हतO के 3वपरत पूवाCSह से ेग्रत होकर कायC Eकये हो, या झारखडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017
- c) 3वहव3वयालय के मामलO को सुलझाने मG अZम हो, तो कुला0धप5त यह जानतेहुए भी

Eक कुलप5त का कायCकाल पूरा नहदं हुआ है, कारण बताते हुए 5नधाCग्रत5त0थ से पद से इातीफा देने के

लए ल7खत आदेश दे सकते हम।

- 2) उप धारा (1) के तहत 3वशेष आधार पर कारCवाई के Eकसी िताव क? सूचना ;दए ा बना कोई

आदेश पाग्रत नहदं Eकया जाएगा, िता3वत आदेश के 7खलाफ कारण बताने का एक समु0चत अवसर

कुलप5त को ;दया जाएगा।

15. त-कुलपत:-

- 1) 5त-कुलप5त क? 5नयुित कुला0धप5त वारा इस तरदके से और ऐसे कायp के लए दृत व व7णCत शितयO के तहत क? जा सकेगी।
- 2) 5त कुलप5त उप धारा-1 के तहत 5नयुित एक ोफेसर के प मG अपने कतCyयO के अलावा अपने कतCyय का 5नवCहन करGगे।
- 3) 5तकुलप5त कुलप5त को उनक? आवभयकतानुसार उनके कतCyयO के 5नवCहन मG सहायता करGगे।
- 4) 5तकुलप5त वतCक 5नकाय वारा 5नधाCग्रत राश मानदेय के प मG ाित करGगे।

16. नदेशक/ नदेशकE / धानाचाय:/ धानाचाया :-

5नदेशक/धानाचायC क? 5नयुित 5न;दCवट ढंग से तथा दृत शितयO का योग कर क? जा सकेगी।

17. कुलसचव :-

- 1) कुलस0चव वतCक 5नकाय के अवयZ वारा पग्र5नयम मG 5न;दCवट ावधानO के अनुसार5नयुित Eकये जाएंगे। कुलस0चव 3वहव3वयालय अनुदान आयोग वारा 5नधाCग्रत योयता को धारण करGगे।
- 2) कुलस0चव को 3वहव3वयालय क? ओर से अभलेखO, दातावेजO को अभमा7णत करने, माण- प[O पर हाताZर करने तथा समझौता करने क? शित होगी तथा वे ऐसी दूसरद शितयO का योग एवं कायp को पूरा करGगे जो उनके लए 5न;दCवट Eकया गया हो।
- 3) कुलस0चव कायCकारद पग्रष एवं अकादमक पग्रष के पदेन सदाय स0चव हOगे लेEकन उेहG मत देने का अ0धकार नहदं होगा।

18. मुय वजत तथा लेखा अधिकारC :-

- 1) वतक 5नकाय के अवयव वारा मु#य 3वजत तथा लेखा पदाधकारक क? 5नयुित इस कार क? जाएगी, जैसा पुर5नयम मG 5न;दCVट हो।
झारखडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017
- 2) मु#य 3वजत एवं लेखा पदाधकारक ऐसी शितयO का योग तथा दा5युवO का 5नवहन कर सकG गे जैसा Eक पुर5नयम मG 5न;दCVट है।

19.परदZा नयंक:-

- 1) परदZा 5नयंक 3वहव3वयालय का पूणकालक पदाधकारक होगा तथा पुर5नयम के अनु प कुलाधप5त वारा 5नयुित Eकया जाएगा।
- 2) परदZा 5नयंक के दा5युव हOगे:-
 - a) परदZा को अनुशासत एवं कुशल तरक से संचालत करना;
 - b) स#त गोपनीयता क? िVट से हन-पO के चयन क? ययवाथा करना;
 - c) 5नधाCरत समय-सागुरणी के अतगत उतर पुितकाओं के मूयांकन क? ययवाथा करना;
 - d) परदZा-णालक क? 5नVपZता और 3वषय5नVठता को उत बनाने तथा 3वयाधचयO क? योयता के सह आकलन क? िVट से बेहतर साधन अपनाने के लए सतत् समीZा करना;
 - e) कुलप5त के वारा समय-समय पर सपे गए उन सारे दा5युवO का 5नवहन करना जो परदZा से संबधत हO।

20.अलय अधिकार:-

छा कQयाण संकायावयव, संकायावयव और मु#य कुलानुशासक सह 3वहव3वयालय के अय अधकागुरयO के दा5युव, शितयO और 5नयुित का तरका वैसा होगा, जैसा 5न;दCVट Eकया गया हो।

21.ववयालय के ाधकार:-

3वहव3वयालय के 5न6नल7खत ाधकार हOगे, यथा-

- a) शासी 5नकाय
- b) बंधन बोडC
- c) अकादमक पुरष
- d) 3वजत सम5त
- e) योजना बोडC

16

झारखडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017

- f) वैसे अय सभी ाधकार, जो अध5नयम के वारा 3वहव3वयालय के ाधकार घो3षतEकये गये हO।

22.शासी नकाय

- 1) शासी 5नकाय के 5न6नल7खत सदाय हOगे, यथा-
 - a) कुलाधप5त;
 - b) कुलप5त;

- c) सरकार के सचिव, उच्च, तकनीक? शिखा एवं कौशल विकास विभाग, झारखंड अथवा

उनका स्तम्भ;

- d) वतक विकास वारा नामत पाँच यिनि, निजमग से दो यात शिखाव होगे;
e) कुलाधपत वारा नामत विधिविधालय के बाहर से एक यिनि, जो बंधन और

नियमक? के विशेष के प मग होगे।

- f) कुलाधपत वारा नामत एक विधिविधालय।

- 2) शासी विकास विधिविधालय का सचिव अधिकार एवं मुख्य शासी विकास होगा। इसका स्तम्भ रखत शिखा होगी, यथा:-

- a) नियम, पुरनियम, अधिनियम अथवा अध्यादेश का योग करते हुए विधिविधालय के

कार्य को नियंत्रित, निदेशित एवं संचालित करना;

- b) विधिविधालय के अध्यक्ष निणयन क? समीक्षा करना य;द वे नियम, अध्यादेश, कानून

के अधिनियम के अनु प नहदं हो;

- c) विधिविधालय के वार्षिक स्तम्भ तथा बजट को अनुमोदित करना;
d) विधिविधालय वारा अनुपालन हेतु विधिविधालय की स्तम्भ का निमाचण;
e) विधिविधालय के विधिविधालय के लिए वतक विकास को अनुशंसा करना, य;द संपूर्ण

यास के बाद भी विधिविधालय ठीक ढंग से कार्य संपन्न करने क? विधिविधालय मग नहदं हो;

- f) पुरनियम वारा निदेशित अध्यक्ष शिखा का योग करना।

- 3) शासी विकास क? बैठक एक कैलेंडर वर्ष मग कम-से-कम तीन बार होगी।

- 4) बैठक का कोरम चार होगा:-

झारखंड गजट (असाधारण) शु.वार, 14 जुलाई, 2017

17

बशत सचिव, उच्च, तकनीक? शिखा एवं कौशल विकास विभाग, झारखंड सरकार के

सचिव या उनका? अनुविधिविधालय मग निदेशक, उच्च शिखा, उच्च, तकनीक? शिखा एवं कौशल विकास विभाग, झारखंड ज्येष्ठ बैठक मग उपविधित हो, जिसमग सरकार की स्तम्भ या निदेशन से संबंधित निणयन

ले जाये हो।

23. बंधन बोर्ड:-

- (1) बंधन बोर्ड निदेशित सदाय के योग से गठित होगा, यथा-

- a) कुलपति;
b) सरकार के सचिव, उच्च, तकनीक? शिखा एवं कौशल विकास विभाग, झारखंड अथवा उनके स्तम्भ;
c) वतक विकास वारा नामत शासी विकास के दो सदाय;
d) वतक विकास वारा नामत तीन सदाय, जो शासी विकास के सदाय नहदं ह;म;
e) शिखा के बीच से वतक विकास वारा नामत तीन सदाय;
f) कुलपति वारा नामत दो शिखा।

- (2) बंधन बोर्ड के अवयव कुलपति होंगे।
- (3) बंधन बोर्ड क? शिक्तियाँ एवं कायक पुरस्नयम मग जैसा 5न;दकवट है, के अनुप होगा।
- (4) बंधन बोर्ड क? बैठक का कोरम पाँच होगा;
बशत एक सरकार के सचिव, उच्च, तकनीक? शिक्ता एवं कौशल विकास 3वभाग, झारखंड सरकार

अथवा उनक? अनुपिथित मग 5नदेशक, उच्च शिक्ता, उच्च, तकनीक? शिक्ता एवं कौशल विकास 3वभाग,

झारखंड ज्येक बैठक मग उपिथित ह; जिस्मग सरकार क? नीतय/5नदशिक से संबंधित 5नणकय लयेजाने

ह।

24. अकादमक पुरष:-

- 1) अकादमक पुरष कुलपति तथा वैसे सदायक के योग से बनेगा, जैसा पुरस्नयम मग 5न;दकवट है।
- 2) अकादमक पुरष के अवयव कुलपति होंगे।
- 3) अकादमक पुरष 3ववववववलय क? मुय अकादमक 5नकाय होगी, जैसा एक अधस्नयम, पुरस्नयम, अव्यादेशक मग ावधान है और यह 3ववववववलय क? अकादमकनीतयक का संयोजन तथा पयवेजण करेगी।

18

झारखंडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017

- 4) अकादमक पुरष क? बैठक का कोरम पुरस्नयम के 5नदशिक के अनुप होगा।

25. वजत समत:-

- 1) वजत समत 3ववववववलय क? मुय वजतीय 5नकाय होगी, जो वजत संबंधीमामलक क? देख-रेख करेगी।
- 2) वजत समत का संवधान, शिक्तियाँ और कायक 5न;दकवट ावधानक के अनुप होंगे।

26. योजना बोड:-

- 1) योजना बोर्ड 3ववववववलय का धान योजना 5नकाय होगा और यह सुनिश्चित करेगा एक बुनयाद ढाँचा और अकादमक समथकन णाल 3ववववववलय अनुदान आयोग तथा अय पुरषदक वारा 5नधाकुरत मानदंडक को पूरा करती है।
- 2) योजना बोर्ड का संवधान, उसके सदायक का कायकाल तथा उनक? शिक्तयक एवं कायक का

5नधाकरण 5न;दकवट ावधानक के अनुप होगा।

27. अल्य ाधकार:-

3ववववववलय के अय ाधकारक का गठन, शिक्तियाँ तथा कायक 5नदशिक के अनुप हो सकेगा।

28. नकसी ाधकार अथवा नकाय क- सदयता के लए अयोयता:-

कोई यिक्त 3ववववववलय के एकसी ाधकार या 5नकाय क? सदायता के योय नहदं होगा, यद वह:

- a) यद वह आवाथ मानस का है और उसे सज्म ययालय वारा ऐसा घोषित एकया गया है;
- b) यद अमुित दवालाया है;

- c) यद नैऽतक Iखलन का अपराधी पाया गया है;
- d) Eकसी परदZा के संचालन मG अनु०चत yयवहार करने अथवा ोjsा;हत करने के लए कहदं

भी, Eकसी _प मG दंqडत Eकया गया है।

29. *रि?तयाँ वववयालय के ाधकार अथवा नकाय के गठन या काय:वाहC को अमालय नहCं

करQगी:-

3वHव3वयालय के Eकसी ा0धकार क? कायCवाहd सफC इसलए अमाेय नहदं क? जायेगीEक

3वHव3वयालय के Eकसी ा0धकार या संगठन क? gरित अथवा सं3वधान मG कोई दोष है।

30.स#मतयE का गठन:-

झारखडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017

19

3वHव3वयालय के ा0धकार ऐसी शतp के साथ जो 3वशेष काम के लए आवHयक हO तथा जो पgr5नयमO वारा अनुमो;दत हO, ऐसी सम5तयO का गठन कर सकG गे।

प*रनयम, अ6यादेश और वनयम

31. थम प*रनयम:-

- 1) इस अ0ध5नयम के ावधानO तथा इसके अंतगCत बनाये गए 5नयमO के अनुकूल पहला पgr5नयम

5न6नल7खत मामलO मG से सभी या Eकसी एक का 5नधाCरण करेगा, यथा-

- 3वHव3वयालय के ा0धकारO और अेय 5नकायO के लए समय-समय पर गठन, शितयO और कायCवा;हयO का 5नधाCरण;
- कुला0धप5त, कुलप5त क? 5नयुित क? शतp और उनक? शितयO तथा अ0धकारO का 5नधाCरण;
- कुलस0चव और मु#य 3वjt तथा लेखा पदा0धकारd क? 5नयुित क? E,या और शतp तथा उनक? शितयO और कायC का 5नधाCरण;
- अेय अ0धकाग्रयO तथा शZकO क? 5नयुित क? पN5त और शतp तथा शितयO और कायC का 5नधाCरण;
- 3वHव3वयालय के कमCचाग्रयO क? सेवा-शतp का 5नधाCरण;
- कमCचाग्रयO अथवा 3वया0थCयO और 3वHव3वयालय के बीच Eकसी कार के 3ववाद क? िथ5त मG मvयाथता क? E,या का 5नधाCरण;
- मानद उपा0धयाँ दान करना;
- 3वया0थCयO के शZण शुQक क? अदायगी मG छूट और छावृित तथा फेलोशप दान करने क? E,या का 5नधाCरण;
- सीटO के आरZण के 5नयम स;हत वेश क? नी5त का 5नधाCरण; तथा
- 3वया0थCयO से लया जाने वाला शुQक।

- 2) 3वHव3वयालय का पहला पgr5नयम शासी 5नकाय वारा बनाया जाएगा और lवीकृ5त हेतु रा:य सरकार को सम3पCत Eकया जाएगा ।

- 3) 3वहव3वयालय वारा सम3पत्त एकए गए पहले प्गुर5नयम पर रा:य सरकार 3वचार करेगी और यथासंभव इसक? ािखत के साथ ;दन0 के भीतर इसक?। वीकृत, संशोधन0
अथवा ाबना संशोधन के जैसा वह आवश्यक समझे, देगी।
- 4) रा:य सरकार वारा वीकृत पहले प्गुर5नयम0 पर 3वहव3वयालय अपनी सहम5त सिं3षत करेगा, अथवा रा:य सरकार वारा उप धारा-3 के अंतगत्त एकये गये एकसी संशोधन या सभी संशोधन0 को नहदं लागू करने पर कारण बतायेगा। रा:य सरकार 3वहव3वयालय के सुझाव0 को माेय या अमाेय कर सकती है।
- 5) रा:य सरकार ने पहले प्गुर5नयम को िजस _प मग अंततः वीकार एकया है उसे शासक?य राजप[मग काशत करेगी और यह काशन क? 5त0थ से लागू माना जाएगा ।

32.परवत्त प*रनयम:-

- 1) इस अ0ध5नयम और इसके बाद बनाये गये 5नयम0, 3वहव3वयालय के परवत्त प्गुर5नयम0 मग 5न6नल7खत सभी या एकसी एक के बारे मग यथाथा दे सकता है, यथा-
 - a) 3वहव3वयालय के नये ा0धकार0 का सृजन;
 - b) लेखा नी5त और 3वृतीय E,या;
 - c) 3वहव3वयालय0 के 0धकार0 मग शZक0 का 5त5न0धुव;
 - d) नए 3वभाग0 का 5नमाCण और वतCमान 3वभाग0 का उेमूलन अथवा पुनगCठन;
 - e) पदक0 और पुराकार0 का 5नधाCरण;
 - f) पद0 के 5नमाCण और 3वलोपन क? E,या;
 - g) शुQक0 का पुनरदZण;
 - h) 3वभेन 3वषय0 मग सीट0 क? सं#या मग बदलाव तथा
 - i) अेय सभी मामल0 का प्गुर5नयम वारा 5नधाCरण, जो इस अ0ध5नयम मग व7णत्त

ावधान के अंतगत्त आवश्यक ह0।

- 2) पहले प्गुर5नयम से इतर 3वहव3वयालय के प्गुर5नयम0 का 5नमाCण शासी 5नकाय क? सहम5त से

बंधन बोडC वारा एकया जाएगा।

झारखडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017

21

- 3) उप धारा (2) के अंतगत्त 5नमत्त प्गुर5नयम को रा:य सरकार के समZ तुत एकया जाएगा, िजसे वह वीकृत करेगी अथवा य;द आवश्यक समझे तो कुछ संशोधन के लए परामशC, प्गुर5नयम क? िखत क? 5त0थ से यथासंभव दो महदने के भीतर देगी।
- 4) रा:य सरकार वारा सुझाये गये संशोधन0 पर शासी 5नकाय 3वचार करेगा और प्गुर5नयम0 मग एकये गये प्गुरवत्तCन के 5त सहम5त अथवा रा:य सरकार वारा सुझाये संशोधन0 पर ;टxपणी के साथ उसे वापस कर देगा।
- 5) रा:य सरकार शासी 5नकाय वारा क? गयी ;टxप7णय0 पर 3वचार करेगी तथा प्गुर5नयम0 को ाबना संशोधन अथवा संशोधन0 के साथ वीकृत करेगी और इसे शासक?य राजप[मग काशत

करायेगी जो काशन क? 5त0थ से भावी होगा।

33. थम अ6यादेश:-

- 1) इस अ0ध5नयम के ावधान0 के अधीन 5नमCत 5नयम0, पृष्ठ5नयम0 के तहत, थम अ6यादेश सभी मामले या 5न6नल7खत मG से कोई एक अथवा सभी क? ययवाथा कर सकता है, यथा-
 - a) 3वHव3वयालय मG 3वया0थCय0 का वेश और इस प मG नामांकन;
 - b) 3वHव3वयालय क? qडSी, qडxलोमा एवं माण प[के लिए अ6ययन हेतु पाठय,म का 5नधाCरण;
 - c) qडSी, qडपलोमा, माण प[और अेय अकादमक वैशV□य दान करने हेतु eयूनतम योतयता;
 - d) फेलोशप, छा[वृि;त,वजीफा, पदक और पुराकार हेतु शत□;
 - e) कायाCलय के 5नयम0 और परdZण 5नकाय, परdZक0 तथा म6याथ0 क? 5नयुित के तरdके सहित परdZाओं का संचालन;
 - f) 3वभेन पाठय,म0 क? परdZाओं, उपा0ध्य0 और qडxलोमा के लिए 3वHव3वयालय वारा लया जाने वाला शुQक;
 - g) 3वHव3वयालय के 3वया0थCय0 के 5नवास क? शत□;
 - h) 3वया0थCय0 के 3व_N अनुशासनामक कारCवाई संबंधी ावधान;
 - i) 3वHव3वयालय के अकादमक जीवन क? उेन5त के लिए आवHयकता अनुभव Eकये जाने पर Eकसी 5नकाय के सृजन, संयोजन और कायC पर 3वचार;

झारखडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई,2017
 - j) उoच शZा के अेय 3वHव3वयालय0 एवं सांथान0 के साथ सहकाृरता और सहयोग के तरdके;
 - k) ऐसे अेय मामले िजनक? ययवाथा अ6यादेश के वारा इस अ0ध5नयम के अेतगCत आवHयक है;
- 2) 3वHव3वयालय का थम अ6यादेश बंधन बोडC वारा अनुमोदन के बाद कुला0धप5त वारा बनाया जाएगा, िजसे अनुमोदन हेतु रा:य सरकार को Itुत Eकया जाएगा।
- 3) उप धारा (2) के तहत रा:य सरकार कुला0धप5त वारा स□पे गये अ6यादेश पर 3वचार करेगी और जहाँ तक संभव होगा इसक? ािखत के साथ ;दन0 के भीतर वह इसे Iवीकृत करेगी या इसमG संशोधन हेतु सुझाव भी देगी।
- 4) कुला0धप5त अ6यादेश के संदभC मG ;दये गये संशोधन के सुझाव0 को शामिल करGगे अथवा रा:य सरकार वारा ;दये गये सुझाव0 को शामिल नहदं करने के कारण बताते हुए थम अ6यादेश को वापस भेजGगे । य;द कुछ हो तो रा:य सरकार इसक? ािखत के बाद कुला0धप5त क? ;टxपणी पर 3वचार करेगी और संशोधन के साथ या □बना Eकसी संशोधन के 3वHव3वयालय के थम अ6यादेश को रा:य सरकार शासक?य राजप[मG काशत करेगी, और यह काशन क? 5त0थ से भावी होगा।

34.परवतI अ6यादेश:-

- 1) सभी थम अ6यादेश0 के अलावा अेय अ6यादेश अकादमक पृष्ठषद वारा बनाये जाएँगे जो शासी 5नकाय वारा अनुमो;दत Eकये जाने के बाद रा:य सरकार के समZ अनुमोदन हेतु Itुत Eकये जाएँगे।

- 2) उपधारा (1) के तहत अकादमिक पदुरष वारा संपे गये अव्यादेश पर जहाँ तक संभव हो रा:य सरकार इसक? ांखित के दो माह के भीतर अवचार करेगी और इसे वीकृत कर सकती है या इसमग संशोधन हेतु सुझाव दे सकेगी।
- 3) अकादमिक पदुरष या तो रा:य सरकार के सुझाव के अनु प अव्यादेश को संशोधन करेगी या सुझाव को रा:य सरकार को पुनः उसे वापस संपेगी, यद कोई हो। रा:य सरकार अकादमिक पदुरष क? ;टखणी पर अवचार करेगी और अव्यादेश को संशोधन के साथ या बना संशोधन के शासक?य राजप मग काशत करेगी, और यह काशन क? 5त0थ से भावी हो जाएगा।

झारखंडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई,2017

23

35.वनयम:-

ऐसे ज्येक ा0धकार और ऐसे ा0धकार वारा बनायी गयी सम5तय0 के लिए शासी 5नकाय क? पूवC वीकृत से अवव3वयालय के ा0धकार इस अ0ध5नयम के अनुकूल 5नयम, पदुर5नयम और अधोलखत अव्यादेश के संगत अव5नयम बना सकग गे।

36.नदुश देने के रावय सरकार के अधिकार:-

- 1) शZण के इतर, परदZा और शोध तथा अवव3वयालय से संबंN एकसी अेय मामले मग रा:य सरकार ऐसे लोग, जिहह वह उपयुत समझती है, के वारा मूQयांकन करा सकेगी।
- 2) ऐसे मूQयांकन के आधार पर सुधार के लिए रा:य सरकार अपनी अनुशंसाएँ अवव3वयालय को संिषत करेगी। अवव3वयालय ऐसे सुधारामक उपाय और यज करेगा ताएक इन अनुशंसाओं का अनुपालन सु5निहचत एकया जा सके।
- 3) यद अवव3वयालय उपधारा (2) के अंतगCत रा:य सरकार वारा क? गयी अनुशंसा का पालन करने मग उ0चत समयाव0ध मग अवफल रहता है तो रा:य सरकार उसे ऐसा 5नदुश दे सकेगी जैसा वह उपयुत समझे। रा:य सरकार वारा दये गये 5नदुश का अनुपालन अवव3वयालय अववलंब करेगा।

वववयालय क- नधयौ

37. !थायी नध:-

- 1) उदेदमय-प मग 5नदCVट राश के साथ वतCक 5नकाय अवव3वयालय के लिए एक !थायी कोष क? !थापना करेगा।
- 2) अवव3वयालय के इस अ0ध5नयम का अनुपालन तथा अ0ध5नयम, पदुर5नयम तथा अव्यादेश के अनुसार संचालन को सु5निहचत करने हेतु !थायी 5न0ध का उपयोग जमानत जमा राश के प मग होगा। यद अवव3वयालय अथवा वतCक 5नकाय इन अ0ध5नयम, पदुर5नयम और अव्यादेश के अनुकूल ावधान का अनुपालन नहदं करता है तब रा:य सरकार को यह पूरद राश अथवा इसका एक ;हासा/अंश जत कर लेने का अ0धकार होगा।
- 3) अवव3वयालय इस !थायी कोष से हुई आमदनी का उपयोग अवव3वयालय के आधारभूत ढाँचे के अवकाश के लिए कर सकेगा, अवव3वयालय के ;दनानुदन यय के लिए नहदं।
- 4) अवव3वयालय के अवघटन तक !थायी कोष क? राश ऐसे साधन मग 5नवेशत क? जाएगी जैसा सरकार वारा 5नवेश हेतु 5नदुशत एकया जाएगा।

24

झारखंडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई,2017

- 5) ददघाCव0ध क? 5तभू5त क? िथ5त मग, 5तभू5तय0 का माण-प सरकार के सुरःत संरZण मग

रखा जाएगा और ययितगत जमा खात0 के यज को सरकार खजाने मग जमा एकया जाएगा।

शतC यह है एक सरकार के आदेश के बना यह राश 5नकाल नहदं जा सकेगी।

38.सामाजिक नध:-

- 1) 3वर्षीय बालाल एक कोष क? 1थापना करेगा, िजसे सामाजिक कोष कहा जाएगा, िजसम 5न6नांशकत राशयाँ जमा हंगी:
 - a) 3वर्षीय बालाल वारा ात शरण एवं अय शुक;
 - b) वतक 5नकाय वारा दत कोई भी राश;
 - c) अपने लय-स3N के ,म मG 3वर्षीय बालाल के एकसी भी उप,म, यथा-परामशक आ;द से ात कोई भी राश;
 - d) ेयासO, वसीयतO, दान, वृितदान और एकसी भी अय कार का अनुदानतथा
 - e) 3वर्षीय बालाल वारा ात अय सारद धनराश।
- 2) सामाजिक कोष का उपयोग 5न6नल7खत मदO मG एकया जाएगा, यथा -
 - a) इस अध5नयम और पुर5नयमO, अयादेशO और शासी 5नकाय क? पूवक वीकृत के साथ 3वर्षीय बालाल वारा लये गये ऋण तथा उसके ळयाज के भुगतान हेतु;
 - b) 3वर्षीय बालाल क? पुरसंपतयO के रख-रखाव हेतु;
 - c) धारा 7 एवं 8 के अंतगत 3व5नमत 5न0धयO के लेखा-परदण के लए भुगतान एकया गया शुक;
 - d) 3वर्षीय बालाल के पZ अथवा 3वपZ मG दायर वादO पर हुए खचक के 5नVपादन हेतु ;
 - e) अधकायO, कमचायO, शकO एवं शोध-अधकायO के वेतन, भुते, भवय-5न0ध अंशदान, सैयूट और अय सुवधाओं के भुगतान हेतु;
 - f) शासी 5नकाय, कायकारद पुरषद, अकादमक पुरषद और अय ाधकारO तथा वतक 5नकाय के अयZ अथवा एकसी सZम अधकारद वारा एकये गये याा-यय एवं अय भुतO के भुगतान हेतु;
 - g) फेलोशप, 5न:शुक शरण, छावृितयO, असाटगटशप तथा समाज के कमजोर आथक वगक के छाO को ;दये गये पुराकारO और शोध सहायकO, शुओं अथवा जैसी िथत झारखडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017
 - हो अध5नयमO, पुर5नयमO और 5नयमO के अनुकूल एकसी भी अहकता ात 3वयाथ के भुगतान हेतु;
 - h) अध5नयम के ावधानO, पुर5नयमO, अयादेशO, 3व5नयमO के अनुपालन मG 3वर्षीय बालाल वारा यय क? गयी एकसी भी राश के भुगतान हेतु;

- i) वतCक 5नकाय वारा 3वHव3वयालय क? Iथापना और इस संदभC मG Eकये गये 5नवेशO क? मूल लागत, जो समय-समय पर भारतीय IटेT बmक के ऋण दान क? दर से अ0धक नहदं हो, के भुगतान के लिए।
- j) इस अ0ध5नयम के पुर5नयमO, 5नयमO, अvयादेशO के पालन मG 3वHव3वयालय वारा Eकये गये yयय के भुगतान हेतु;
- k) Eकसी सांथान वारा 3वशेष सेवा देने के दा5यjव, 3वHव3वयालय को बंधन-सेवा सहित शासी 5नकाय वारा 3वHव3वयालय के लिए Iवीकृत ऐसे yययO अथवा संबंN अेय कायप के भुगतान हेतु;

बशतj Eक कुल आवतw yयय और उस वषC के लिए 5नधाCगुरत अनावतw yयय जैसा शासी 5नकाय वारा 5निHचत Eकया गया है, से अ0धक yयय □ बना शासी 5नकाय क? पूवC Iवीकृत के नहदं Eकया जा सकेगा।

लेखा, अंके&ण एवं वाष:क तवेदन

39.वाष:क तवेदन:-

3वHव3वयालय का वा3षCक 5तवेदन 3वHव3वयालय वारा तैयार Eकया जाएगा िजसमG अेय मामलO समेत, 3वHव3वयालय वारा उ~ेHयO क? पू5तC के लिए उठाये गये कदम शामिल हOगे और इसे रा:य सरकार को स□पा जाएगा।

40.अंके&ण एवं वाष:क तवेदन:-

- 1) 3वHव3वयालय का वा3षCक लेखा बmलेस शीट सहित 3वHव3वयालय वारा तैयार Eकया जाएगा और वा3षCक लेखा का अंकेZण वषC मG कम से कम एक बार 3वHव3वयालय वारा इस उ~ेHय से 5नयुित अंकेZकO वारा कराया जाएगा और आ0थCक 0च□ा रा:य सरकार वारा 5नयुित अंकेZक के वारा जांचा/सज्या3पत Eकया जायगा।
- 2) वा3षCक लेखा क? एक 5त अंकेZण 5तवेदन के साथ रा:य सरकार को Iतुत करनी होगी।

26

झारखडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017

वववयालय को समेटना

41.वववयालय का समापन:-

- 1) य;द वतCक 5नकाय 3व0ध स6मतदंग से इसके गठन तथा 5नगमीकरण के ावधानO के अेतगCत Iवयं को भंग करना चाहे तो इसक? सूचना कम से कम छह महदने पहले रा:य सरकार को देनी होगी।
- 2) रा:य सरकार ऐसी सूचना (भंग करने संबंधी) ाIत करने के पमचात, जैसी आवश्यकता होगी उसके अनु□प भंग Eकये जाने क? 5त0थ से 3वHव3वयालय के शासन क? yयवाIथा वतCक 5नकाय के 3वघटन के बाद आ7खरदस□ के 3वया0थCयO, जो 3वHव3वयालय मG नामांEकत हm, के पानय,म पूरा होने तक करेगी और सरकार वतCक 5नकाय के Iथान पर 3वHव3वयालय के संचालन के लिए एक शासक क? 5नयुित कर सकेगी, िजसे वतCक 5नकाय के अ0धकार, कतCyय और कायC स□पे जाएँगे, जैसा इस अ0ध5नयम मG व7णCत है।

42.वववयालय का वघटन:-

- a) वतCक 5नकाय य;द 3वHव3वयालय को भंग करने क? इoछा रखता है, तो उसे रा:य सरकार को एत-संबंधी सूचना 5नधाCगुरत तरदके से देनी होगी। रा:य सरकार वारा यथोचत 3वचार के पमचात 5नधाCगुरत तरदके से 3वHव3वयालय को 3वघ;टत Eकया जा सकेगा।

बशतj Eक 3वHव3वयालय का 3वघटन तभी भावी होगा जब तक Eक 5नयमत पानय,म के 3वया0थCयO का आ7खरद स□ अपना पानय,म पूरा नहदं कर लेता है और उन सबको qडसी (उपा0ध), qडखलोमा अथवा िजस तरह के 3वषय हO, ाIत हो जाएँ।

- b) जैसा एक तरफका 5नधाCग्रत है 3वहव3वयालय का 3वघटन होने पर उसक? सभी संपतियाँ और देनदाग्रयाँ वतCक 5नकाय मG 5न;हत होगी।
- c) उप-धारा (1) के तहत रा:य सरकार य;द 3वहव3वयालय को 3वघ;टत करने का 5नणCय लेती है, तो 5नधाCग्रत तरफके से समान उंेहय वालd सोसाइ;टयO मG 3वहव3वयालय के 3वघटन तक उप- धारा (1) के ावधानO के तहत इसके शासी 5नकाय क? शिातियाँ 5न;हत कर सकेगी।

43.वशेष प*रि!थतयE मQ राVय सरकार क- व#शयT शि?तयाँ:-

- 1) रा:य सरकार क? य;द यह राय है एक 3वहव3वयालय ने अ0ध5नयमO, 5नयमO, पग्र5नयमO अथवा अय्यादेशO मG से एकसी का उQलंघन एकया है और 3व;तीय कुबंधन अथवा कु-शासन क? िथ5त 3वहव3वयालय मG उजपेन हो गयी है, तो वह 3वहव3वयालय को कारण बताओ सूचना

झारखडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई,2017

27

जारद कर पmतालदस ;दनO के भीतर इस आशय का उतर मांगेगी एक ियO नहदं एक शासक क? 5नयुित कर दd जाय।

- 2) 3वहव3वयालय वारा उपधारा (1) के अंतगCत दd गयी सूचना पर ;दये गये उतर से य;द रा:य सरकार संतुVट है एक इस अ0ध5नयम, 5नयमO, पग्र5नयमO और अय्यादेशO के एकसी भी ावधान का थम Vटया उQलंघन हुआ है अथवा इस अ0ध5नयम के वारा ;दये गये 5नदुशO के 5तकूल 3व;तीय कुबंधन अथवा कु-शासन है तो वह ऐसी जाँच करायेगी, िजसे वह आवहयक समझे।
- 3) उप-धारा (2) के तहत रा:य सरकार ऐसी एकसी जाँच के उंेहय से जाँच-अ0धकारd या अ0धकाग्रयO को 5नयुित करेगी, जो एकसी भी आरोप पर अपना 5तवेदन Iतुत करGगे।
- 4) उप-धारा (3) के अंतगCत 5नयुित जाँच अ0धकारd या अ0धकाग्रयO के पास वहd शिातियाँ हOगी जो दdवानी अदालत वारा दdवानी वाद के मामलO क? सुनवाई के दौरान दdवानी E,या, 1908 मG दत हm, यथा-
- a) एकसी ययित को बुलाने और उसक? हाजिरd को अ5नवायC करने और शपथ ;दलाकर उनक? जाँच करना;
- b) माण के लए आवहयक खोज और ऐसे दातावेज या दूसरद अेय सामSी Iतुत करने का 5नदुश देना;
- c) एकसी भी अदालत या कायाCलय से कोई दातावेज मंगाना।
- 5) उप-धारा (3) के अंतगCत 5नयुित अ0धकारd या अ0धकाग्रयO क? जाँच ग्रपोटC ाIत होने के बाद य;द रा:य सरकार संतुVट है एक 3वहव3वयालय ने इस अ0ध5नयम के ावधान के सभी अथवा एकसी ावधान का उQलंघन एकया है, 5नयमO, पग्र5नयमO अथवा अय्यादेशO का उQलंघन एकया है अथवा सरकार वारा दत 5नदुशO का उQलंघन एकया है या 3व;तीय कु-बंधन और कुशासन क? िथ5त 3वहव3वयालय मG ऐसी हो गयी है एक उसके अकादमक Iतर पर Hन-0चन खड़ा हो गया हो, तो सरकार एक शासक 5नयुित कर सकती है।
- 6) उप-धारा (5) के अंतगCत 5नयुित शासक इस अ0ध5नयम के तहत बनाये गये शासी 5नकाय अथवा बंधन बोडC के सारे कतCyयO का 5नवCहन करेगा और तब तक 3वहव3वयालय क? ग5त3व0धयO का संचालन करेगा जब तक 5नयमत पानय,म के 3वया0थCयO का आ7खरद स[अपना पानय,म पूरा नहदं कर लेता और उेहG qड0Sयाँ या qडxलोमा न दे दd जाय।
- 7) आ7खरद स[को qड0Sयाँ या qडxलोमा या जैसी िथ5त हो, के दान के बाद शासक इस आशय क? ग्रपोटC रा:य सरकार को देगा।

- 8) उप-धारा (7) के अंतर्गत ग्रुपोटिऑन होने पर रा:य सरकार 3वहव3व्यालय को 3वघट कर देगी और 3वहव3व्यालय के 3वघटन के बाद इसका सार्वपुर्णतया और देनदाग्र्या वतक 5नकाय मग 5न:हत हो जाएगी।

अलयाल

44.नयम बनाने के लिए रा:य सरकार क- शि:त:-

- 1) इस अधिनयम के अधिनयम के 5नवहन के लिए शासक:य राजपु मग अधिसूचना जारी करके रा:य सरकार 5नयम बनाएगी।
- 2) रा:य 3वधानमंडल के समझ इस धारा के अंतर्गत बनाये गये सारे 5नयम को कम से कम 30 दिन के लिए रखा जाएगा और रा:य 3वधानमंडल को यह अधिकार होगा एक वह इसका 5नरसन कर दे अथवा अपेक्षित पुरवतन कर दे अथवा ऐसे पुरवतन जिसे 3वधानमंडल के उसी स मग या उसके ठीक बाद वाले स मग एकया गया हो।

45.व्याथ:य के पाठ्यम का समापन:-

इस अधिनयम अथवा पुर5नयम मग एकसी बात के होते हुए भी अंगीभूत महा3व्यालय अथवा 3वहव3व्यालय क? अनुसूची मग 3व5न:दकवट इस अधिनयम के लागू होने के तुरत पहले कोई भी अयनरत 3व्याथ या जो इस 3वहव3व्यालय क? एकसी परदऱा मग सिमलत होने का अधिकार था उसे अपना पानय,म पूरा करने क? अनुमत दद जाएगी और ऐसे 3व्याथक के शरण, शरण और परदऱा क? जिममेदार संबन्ध 3वहव3व्यालय पर तब तक होगी जैसा 5न:दकवट एकया गया हो।

46.कठनाइय को दूर करने क- शि:त:-

- 1) य:द इस अधिनयम के एकसी ावधान को लागू करने मग कठनाई उपिथत हो रहद हो तो शासक:य राजपु मग काशत आदेश के वारा रा:य सरकार इस अधिनयम के ावधान को यान मग रखते हुए कठनाइय को शी दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठायेगी।
बशत इस अधिनयम के ारंभ के तीन वर्ष के बाद उप धारा (1) के अंतर्गत ऐसा कोई आदेश पुरत नहदं एकया जाएगा।
- 2) इस अधिनयम के अंतर्गत पुरत जेक आदेश को अवलंब रा:य 3वधानमंडल के समझ रखा जाएगा।

झारखंडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई,2017

29

अनुसूची - ए (A)

- (1) एकल भाव-डे के लिए मुय पुरसर मग कम से कम 10 एकड़ जमीन उपलब्ध कराना होगा और बहु भाव डे के लिए 25 एकड़, जो एक 3वहव3व्यालय क? थापना के दो वर्ष के अंदर करना होगा। एककृत कम मग डेगृह, कैफेटेगृया, छाावास इया:द ऐसी सुवधायग हो सकती हम, अतः जमीन क? आवश्यकता मग तदनुसार बदलाव हो सकता है।
- (2) यूनतम एक हजार वर्ग मीटर का शासक:य भवन, शैक्षिक भवन, जिसमग पुातकालय, ययायान क, योगशालाएँ हव वह अतम 10 हजार वर्ग मीटर क? होगी, शक के लिए पयाकृत आवासीय यवाथा, अतथ गृह, छाावास जिसे,मशः इतना बढ़ाया जायेगा एक 3व्याथक क? कुल संया का कम से कम 255तशत उसमग रह सके, ऐसा आतुव मग आने के तीन वर्ष के भीतर करना होगा। अगर 3वहव3व्यालय यवासायक शका का काय,म कराता है तो उसके लिए वैधानक 5नकाय वारा एकये गये मानक तथा मानदंड को वीकार करना होगा। रा:य सरकार वारा 5नधाकृत मानक के आधार पर 3वयमान सांथान 3वातार/पुनार/पुनरचना करेगा।

झारखंड रा:यपाल के आदेश से,

वास कुमार #संह,

धान सचव-सह-3वध

परामशw
3व0ध 3वभाग, झारखंड,
राँची ।

30

झारखंडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017

**वध
(वधान)
वभाग**

-
अ0धसूचना

4 जुलाई, 2017

संया-एल०जी०-03/2017-73/लेज०--झारखंड 3वधान मंडल वारा यथा पा०रुत और रा:यपाल वारा ;दनांक 31 मई, 2017 को अनुमत **अरका जैन वववयालय** अ0ध5नयम, 2017 का 5न6नांEकत अंSेजी अनुवाद झारखंड रा:यपाल के ा0धकार से इसके वारा काशत Eकया जाता हैिजसे भारतीय सं3वधान के अनु०छेद 348 के खंड (3) के अधीन उांत अ0ध5नयम का अंSेजी भाषा मG ा0धकृत पाठ समझा जाएगा ।

**THE ARKA JAIN UNIVERSITY ACT, 2017
(JHARKHAND ACT, 14, 2017)**

An Act to provide for the establishment and incorporation of the **ARKA JAIN UNIVERSITY** in the State of Jharkhand, and to confer the status of a Private University thereon and for matters connected therewith and incidental thereto;

WHEREAS it is expedient to provide for the establishment and incorporation of the **ARKA JAIN UNIVERSITY** at Gamharia, Seraikela-Kharsawan, , Jharkhand promoted by TheArka Educational and Cultural Trust(The JGI Group) Head Office- 091/2Dr. A. N. Krishna Rao Road, V. V. Puram, Bangalore-560004, Regional Head Office- D-28, Danish Arcade, Opp. Asian Inn Hotel,Dhatkidih, P.S- Bistupur, Jamshedpur-831001 (Trust/Society) created and registered under Registrar of Govt. of Karnatka, Registration No.-BSG-4-00138-2009-10 Dt. 21 November, 2009, and to confer the status of a Private University thereon and for the matters connected therewith and incidental thereto;

It is hereby enacted in the Sixty-Eighth year of the Republic of India, by the Legislature of Jharkhand, as follows:

1.Short Title, Extent and Commencement.

(1)This Bill may be called "**TheARKA JAIN UNIVERSITY ACT, 2017**".

(2)It shall extend to the whole of the State of Jharkhand.

2.Definitions.

In this Act, unless the context otherwise requires:

झारखंडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017

- (a) "Academic Council" means the Academic Council of the University as specified in section 24 of the Act;
- (b) "Annual Report" means the Annual report of the University as referred to in section 39 of the Act;
- (c) "Board of Management" means the Board of Management of the University as constituted under section 23 of the Act;
- (d) "Campus" means the total area of the university in which it is established;
- (e) "Chancellor" means the Chancellor of the University appointed under section 12 of the Act;
- (f) "The Chief Finance and Accounts Officer" means the Chief Finance and Accounts Officer of the University appointed under section 18 of the Act;
- (g) "Controller of Examinations" means the Controller of Examinations of the University appointed under section 19 of the Act;
- (h) "Constituent College" means a college or an institution maintained by the University;
- (i) "Employee" means employee appointed by the University; and includes teachers and others staff of the University or of a constituent college;
- (j) "Endowment fund" means the endowment fund of the University established under section 37 of the Act;
- (k) "Faculty" means group of academic departments of similar disciplines;
- (l) "Fee" means collection made by the university from the students for the purpose of any course of study and incidental thereto, in the University;
- (m) "General Fund" means the General fund of the University established under section 38 of the Act;
- (n) "Governing Body" means the Governing Body of the University constituted under section 22 of the Act;
- (o) "National Assessment and Accreditation Council" means National Assessment and Accreditation Council, Bengaluru, an autonomous institution of the University Grants Commission;
- (p) "Prescribed" means prescribed by the Statutes and the rules made under this Act;

32

झारखंडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017

- (q) "ProVice-Chancellor" means the Pro-Vice-Chancellor of the University appointed under section 15 of the Act;
- (r) "Registrar" means the Registrar of the University appointed under section 17 of the Act;
- (s) "Regulatory Body" means a body established by the Government of India for laying down norms and conditions for ensuring academic standards of higher education, such as University Grants Commission, All India Council for Technical Education, National Council for Teacher Education, Medical Council of India, Bar Council of India, Pharmacy Council of India, National Assessment and Accreditation Council, Indian Nursing Council, Indian Council of Agriculture Research, Council of Scientific and Industrial Research, etc. and includes the Government or any such body constituted by the Government of India or the State Government;
- (t) "Rules" means the rule of the University made under this Act;
- (u) "Schedule" means schedule appended to this Act;

- (v) "Sponsoring Body" in relation to the university means (i) a society registered under Societies Registration Act 1860, or (ii) a public trust registered under Indian Trust Act 1882, or (iii) a society or trust registered under the law of any other State;
- (w) "State Government" means the State Government of Jharkhand;
- (x) "Statutes", "Ordinances", and "Regulations" mean respectively, the Statutes, Ordinances and Regulations of the University made under this Act;
- (y) "Student of the university" means a person enrolled in the university for taking a course of study for a degree, diploma, or other academic distinction duly instituted by the university, including a research degree;
- (z) "Teacher" means a Professor, Associate Professor, Assistant Professor or such of the other person as may be appointed for imparting instruction or conducting research in the University or in a Constituent College or Institution and includes the Principal of a Constituent College or institution, in conformity with the norms prescribed by the University Grants Commission;
- (aa) "University Grants Commission" means the University Grants Commission established under the University Grants Commission Act, 1956;
- (ab) "University" means the **ARKA JAIN UNIVERSITY**, Jharkhand established under this Act.

झारखण्डगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017

33

- (ac) "Vice-Chancellor" means the Vice-Chancellor of the University appointed under section 13 of the Act;
- (ad) "Visitor" means the Visitor of the University referred to in section 10 of the Act.

3. Establishment of University.

- (1) There shall be established the University by the name '**ARKA JAIN UNIVERSITY**'
- (2) The headquarters of the University shall be within the State of Jharkhand and shall be situated at Gamharia, Seraikella - Kharsawan.
- (3) The University shall start operation only after the State Government issues the letter of authorization.
- (4) The university shall meet the conditions mentioned in the schedule A of the Act within the stipulated time.
- (5) The Governing Body, the Board of Management, the Academic Council, the Chancellor, the Vice Chancellor, the Pro Vice Chancellor, the Registrar, the Teachers, the Chief Finance and Accounts Officer and such other officers or members or authorities so long as they continue to hold such office or membership of the University hereby constitute a body corporate by the name of the University.
- (6) The University shall function as non-affiliating University and they shall not affiliate any other college or institute for the conferment of degree, diploma and for grant of certificate to the students admitted therein.
- (7) The constituent colleges and institutions of the Sponsoring Body affiliated to and enjoying the privileges of any University immediately before the commencement of this Act shall cease to be affiliated from that University and

shall be deemed to be withdrawn from such privileges from the date of commencement of this Act and shall be deemed to be admitted to the privileges of **ARKA JAIN UNIVERSITY**. University of the Sponsoring Body and all such colleges and institutions shall be the constituent colleges and institutions of **ARKA JAIN UNIVERSITY**.

- (8) The University shall be a body corporate by the name '**ARKA JAIN UNIVERSITY**' and will have perpetual succession and common seal with power, subject to the provisions of this Act, to acquire and hold property, to contract and shall, by the said name, sue or be sued.

34

झारखंडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017

- (9) The University shall not receive any grant-in-aid or other financial assistance from the State Government or the Central Government.

Provided that, the State Government or the Central Government may provide financial support, including through grants or otherwise

- (a) for research, development and other activities for which other State Government organizations are provided financial assistance, or
(b) for any specific research or programme based activity.

4. Properties of the University and its Application.

- (1) On the establishment of the University the land and other movable and immovable properties acquired, created, arranged, or built by the University for the purpose of the University in the State of Jharkhand shall vest in the University.
- (2) The land, building and other properties acquired for the University shall not be used for any purpose other than that for which the same is acquired.
- (3) The properties, movable or immovable, of the university shall be administered by the Governing Body in such manner as may be provided for by the regulations.
- (4) The properties in the name of the university under sub-section (1) shall be applied for meeting the liabilities of the university in the event of dissolution or winding up of the university in such manner as may be prescribed in the rules.

5. Restrictions and obligations of the University.

- (1) The tuition fees for professional courses such as Engineering & Technology, Medicine, Management, etc., in the university shall be determined by the University under the supervision of the regulatory body notified by the State Government from time to time.
- (2) Admission in the University shall be strictly on the basis of merit. Merit for admission in the University may be determined either on the basis of marks or grade obtained in the qualifying examination and achievements in co-curricular and extra-curricular activities or on the basis of marks or grade obtained in the entrance test conducted at State level either by the University or an association of the Universities conducting similar courses or by any agency of the State Government.

Provided that the admission in professional educational colleges or institutions of the University shall be governed under the provisions of the Regulatory Bodies.

झारखंडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई,2017

- (3) The university shall allow merit scholarship to at least five percent of the total strength, to the students belonging to poor and economically backward classes. The relevant criteria for determining the poor and economically backward classes shall be such as may be determined by the State Government from time to time.
- (4) The university shall compulsorily make provisions for reservation of seats for the students domiciled in the State of Jharkhand to the extent of at least twenty five percent of the total students in the university. The reservation of seats shall be regulated by the laws and orders of the State Government from time to time.
- (5) The university shall make provisions for reservation of non-teaching posts in the university for the persons domiciled in the State of Jharkhand to the extent of at least fifty percent of the total number of non-teaching posts of the university. The reservation of seats shall be regulated by the laws and orders of the State Government from time to time.
- (6) The university shall appoint adequate number of teachers and officers in the University for maintaining the academic standards specified and shall ensure that the qualifications of such teachers or officers of the university shall not be lower than prescribed by the relevant Regulatory Bodies.
- (7) The university shall compulsorily place in the public domain every information in relation to the University which would be of interest to the students and other stakeholders *inter alia*, including the courses offered, number of seats under different categories, fees and other charges, facilities and amenities offered, faculty in place and such other relevant information.
- (8) The Convocations of the University may, for conferring degrees, diplomas or for any other purpose, be held in every academic year in the manner as may be prescribed by the Statutes.
- (9) The University shall obtain accreditation from the National Council of Assessment and Accreditation (NAAC) within five years of its establishment and such other regulating bodies of Government of India which are connected with the courses taken up by the University and inform the State Government about the grade provided to the University. The University shall get renewed such accreditation from time to time.
- (10) Notwithstanding anything contained in this Act, the University shall be bound to comply the conditions mentioned in Schedule A of this Act, and all the rules, regulations, norms, etc. of the regulating bodies of Government of India and State

36

झारखंडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई,2017

Government and provide all such facilities and assistance to such bodies as are required by them to discharge their duties and carry out their functions.

6. Objects of the University.

The objects of the University shall be to disseminate and advance knowledge and skill by providing instructional, research and extension of facilities and in such branches of learning as it may deem fit and the University shall endeavour to provide to students and teachers the necessary atmosphere and facilities for the promotion of:

- (a) Innovations in education leading to restructuring of courses, new methods of teaching, training, and learning including online learning, blended

- learning, continuing education and such other modes and integrated and wholesome development of personality;
- (b) Studies in various disciplines;
- (c) Inter disciplinary studies;
- (d) National integration, secularism and social equity and International understanding and ethics.

7. University shall open to all irrespective of sex, religion, class, colour, creed, or opinion.

No person shall be discriminated against or be excluded from any office of the university or from membership of any of its authorities or from admission to any course of study leading to a degree, diploma or other academic distinction on the grounds of sex, race, creed, class, caste, place of birth and religious belief or political or other opinion.

8. Powers and functions of the University.

- (i) To administer and manage the University, establish, administer and manage its constituent colleges and centres for research, education, training, extension and outreach including continuing education, distance learning and e-learning at its campus within the State of Jharkhand;
- (ii) To provide for research, higher education, professional education, teaching training, extension and outreach including continuing education, distance learning and e-learning in the fields of science, technology, humanities, social sciences, education, management, commerce, law, pharmacy, healthcare and any other fields;
- (iii) To conduct innovative experiments in educational technologies, teaching and learning methods, to collaborate with national and international institutions and to offer joint programmes with such institutes to constantly improve the delivery of education and to achieve international standards of education;
- (iv) To prescribe courses, curricula and methodologies including electronic and distance

झारखण्डगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई,2017

37

- learning and provide for flexibility in the delivery of education.
- (v) To hold examination and confer degree, diploma or grant certificate and other academic distinctions or title on persons subject to such condition as the University may determine and to withdraw or cancel any such degree, diploma or certificates and other academic distinction or titles in the manner prescribed by the Regulations;
- (vi) to institute and award fellowships, scholarships, medals and prizes;
- (vii) to confer honorary degrees or other distinction on the manner prescribed by the Statutes;
- (viii) to establish schools, centres, institutes, college and conduct the programme and courses of study as are in the opinion of the University, necessary for the furtherance of its objects;
- (ix) To declare as a constituent college any college, centre, institution imparting education as are in the opinion on the University necessary for the furtherance of its objects or to establish a new constituent college, centre, institution for the purpose;

- (x) To provide for printing, publication and reproduction of research, educational material and other works and to organize exhibitions, conferences, workshops and seminars; (xi) To establish knowledge resource centre;
- (xii) To sponsor and undertake research and educational programmes in the fields of science, technology, humanities, social sciences, education, management, commerce, law, pharmacy, healthcare and any other allied areas;
- (xiii) To collaborate or associate with any educational institution with like or similar objects; (xiv) To establish campuses including virtual campus for the purpose of achieving the objectives of the University;
- (xv) To undertake research and to obtain registration in respect of such research in the nature of patents, design rights and such or similar rights with the competent authorities; (xvi) To maintain linkages and collaborate with educational or other institutions in any part of the world having objects wholly or partially similar to those of the University, through exchange of students, researchers, faculty and staff and generally in such manner as may be conducive to their common objects;
- (xvii) To render services of research, training, consultancy and such other services as required for the purposes of the University;
- (xviii) To develop and maintain relationships with faculty, researchers, administrators and domain experts in science, technology, humanities, social sciences, education, management, law, commerce, pharmacy, healthcare and allied area for achieving the objects of the University;

38

झारखंडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017

(xix) to make special arrangement in respect to women and other disadvantaged students as the University may consider desirable;

- (xx) To regulate the expenditure and to manage the finances and to maintain the accounts of the University;
- (xxi) To receive funds, movable and immovable properties, equipments, software and other resources from business, industry, other sections of society, national and international organization or any other source by transfers or as gifts, donations, benefactions or bequests for the purposes and objects of the University;
- (xxii) To establish, maintain and manage halls, hostels for students and quarters for the residence of faculty and staff;
- (xxiii) To construct, manage and maintain centres, complexes, auditorium, buildings, stadium for the advancement of sports, cultural, co-curricular and extra-curricular activities; (xxiv) To supervise and control the residence and regulate the discipline of students, faculty and staff of the University and to make arrangements for promoting their health, general welfare, social and cultural activities;
- (xxv) To fix, demand and receive or recover fees and such other charges as may be prescribed by the Statutes;
- (xxvi) To institute and award fellowships, scholarships, prizes, medals and other awards; (xxvii) To purchase or to take on lease or accept as gifts, bequests, legacies or otherwise any land or building or works which may be necessary or convenient for the purpose of the University and on such terms and conditions as it may think fit and proper and to construct or alter and maintain any such building or works;

(xxviii) To sell, exchange, lease or otherwise dispose of all or any portion of the properties of the University, movable or immovable, on such terms as it may think fit and consistent with the interest, activities and objects of the University;

(xxix) To draw and accept, to make and endorse, to discount and negotiate promissory notes, bills of exchange, cheques and other negotiable instruments;

(xxx) To raise and borrow money on bond, mortgages, promissory notes or other obligations or securities founded or based upon all or any of the properties and assets of the University or without any securities and upon such terms and conditions as it may think fit and to pay all expenses out of the funds of the University,

9. Bar to affiliation.

(1) The University shall not admit any college or institution to the privilege of affiliation.

(2) The University may open any off campus, offshore campus, and studycentre, examination centre in or out of the State of Jharkhand only after the prior approval of

झारखण्डगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017

39

University Grants Commission or such regulatory body established by the Government or State or Central Government, as the case may be.

(3) Courses under Distance mode can be started only after the prior approval of University Grants Commission or such regulatory body established by the Government.

10. The Visitor.

- (1) The Governor of Jharkhand will be the Visitor of the University
- (2) The Visitor shall, when present, preside at the convocation of the University for Conferring Degrees, Diplomas, charters, Designation and certificates.
- (3) The Visitor shall have the right to visit the University or any institution maintained by the University to ensure the standard of education, discipline, decorum and proper functioning of the university.

11. Officers of the University.

The following shall be the officers of the University:

- (a) The Chancellor
- (b) The Vice Chancellor
- (c) The Pro Vice Chancellor
- (d) Director/Principal
- (e) The Registrar
- (f) The Chief Finance and Accounts Officer
- (g) The Controller of Examinations
- (h) The Dean of Students Welfare
- (i) The Dean of Faculty
- (j) The Proctor, and
- (k) Such other officers as may be declared by the Statute to be the officers of the University.

12. The Chancellor:

(1) The Chancellor shall be appointed by the Sponsoring Body for a period of five years with the approval of the Visitor by following such procedures and on such terms and conditions as may be prescribed. On the expiry of the term, the Chancellor may be reappointed by the Sponsoring Body in consultation with the Visitor.

(2) The Chancellor by virtue of his office shall be the head of the University.

40

झारखंडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017

(3) The Chancellor shall preside over the meetings of the Governing Body and shall, when

the Visitor is not present, preside over the convocation of the University for conferring

degrees, diplomas, or other academic distinctions.

(4) The Chancellor may in writing under his hand addressed to the head of the sponsoring

body resign his office.

(5) The Chancellor shall have the following powers, namely:

(a) to call for any information or record;

(b) to appoint the Vice Chancellor;

(c) to remove the Vice Chancellor in accordance with the provisions of this Act;

and

(d) such other powers as may be conferred on him by this Act or Statutes made

thereunder.

13. The Vice Chancellor:

(1) The Vice Chancellor shall be appointed by the Chancellor as per the qualifications

prescribed by the University Grants Commission and shall hold office for a period of

five years .Provided that a person appointed as Vice Chancellor shall retire from office

during tenure of his office or extension thereof, if any when he completes the age of 70

years.

Provided further that after the expiry of the term of fiveyears, the Vice Chancellor shall be eligible for re-appointment for another term of five years.

(2) The Vice Chancellor shall be the principal executive and academic officer of the

University and shall exercise general superintendence and control over the affairs of the

university and shall execute the decisions of various authorities of the university.

(3) In the absence of both the Visitor and the Chancellor, the Vice Chancellor shall preside

over the convocation of the university.

(4) The Vice Chancellor may, if he/she is of the opinion that immediate action is necessary

on any matter, exercise any power conferred on any authority of the University by or

under this Act and shall convey to such authority the action taken by him on such

matters;

झारखंडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017

41

Provided that if the authority of the University or any person in the service of the University who is aggrieved by the action taken by the Vice Chancellor under this sub section may prefer an appeal to the Chancellor within one month from the date of communication of such decision. The Chancellor may confirm, modify or reverse action taken by the Vice Chancellor.

(5) The Vice Chancellor shall exercise such powers and perform such other functions as may be prescribed.

14. Removal of the Vice Chancellor.

(1) If at any time and after such inquiry as may be considered necessary, it appears to the Chancellor that the Vice Chancellor:

(a) has failed to discharge any duty imposed upon him by or under this Act, the Statutes, the Ordinances, or

(b) has acted in a manner prejudicial to the interests of the university, or

(c) is incapable of managing the affairs of the university, then the Chancellor may, notwithstanding the fact that the term of office of the Vice Chancellor has not expired, require the Vice Chancellor, by an order in writing stating the reason therefor, to resign his post from the date as may be specified in the order.

(2) No orders under sub –section (1) shall be passed unless a notice stating the specific grounds on which such action is proposed , has been served and a reasonable opportunity to show cause against the proposed order has been given to the Vice Chancellor.

15. The Pro Vice-Chancellor:

(1) The Pro Vice-Chancellor shall be appointed by the Chancellor in such manner and shall exercise such powers and perform such functions as may be prescribed.

(2) The Pro Vice-Chancellor appointed under sub section (1) shall discharge his duties in addition to his duties as a Professor.

(3) The Pro Vice-Chancellor shall assist the Vice Chancellor in discharging his duties as and when required by the Vice Chancellor.

(4) The Pro Vice-Chancellor shall get honorarium of such amount as may be determined by the sponsoring body.

16. Director(s)/Principal(s):

The Director/Principal shall be appointed in such manner and shall exercise such powers and perform such functions as may be prescribed.

17. Registrar:

- (1) The Registrar shall be appointed by the Chairperson of the Sponsoring Body in such manner, as may be specified in the Statutes. The Registrar shall possess the qualifications prescribed by the University Grants Commission.
- (2) The Registrar shall have the power to enter into agreements, sign documents and authenticate records on behalf of the University and shall exercise such other power and perform such other functions as may be prescribed.
- (3) The Registrar shall be the ex officio Member Secretary of the Executive Council and the Academic Council but shall not have a right to vote.

18. The Chief Finance and Accounts Officer:

- (1) The appointment of the Chief Finance and Accounts Officer shall be made by the Chairperson of the Sponsoring Body in such manner as may be specified by the Statutes.
- (2) The Chief Finance and Accounts Officer shall exercise such powers and perform such duties as may be specified by the Statutes.

19. The Controller of Examinations:

- (1) The Controller of Examinations shall be whole time officer of the university and shall be appointed by the Chancellor in accordance with the Statutes.
- (2) it shall be the duty of the Controller of Examinations:
 - (a) to conduct examinations in a disciplined and efficient manner;
 - (b) to arrange for the setting of question papers with strict regards to secrecy;
 - (c) to arrange for the evaluation of answer sheets in accordance with the planned time

schedule for results;

- (d) to constantly review the system of examinations in order to enhance the level of impartiality and objectivity with a view to make it better instrument for assessing the attainments of students;

झारखंडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई,2017

43

- (e) to deal with any other matter connected with examinations which may, from time to time be assigned to him by the Vice Chancellor.

20. Other Officers: Manner of appointment and power and duties of the other officers of the University including the Dean of Students Welfare, Dean of faculty, and Chief Proctor shall be such as may be prescribed.

21. Authorities of the University:

The following shall be the authorities of the University:

- (a) The Governing Body
- (b) The Board of Management
- (c) The Academic Council
- (d) The Finance Committee
- (e) The Planning Board
- (f) Such other authorities as may be declared by the Statutes to be the authorities of the University.

22. The Governing Body:

- (1) The Governing Body shall have the following members, namely:
- (a) the Chancellor;
 - (b) the Vice-Chancellor;
 - (c) the Secretary to the Government, Department of Higher and Technical Education, Jharkhand, or his nominee;
 - (d) five persons nominated by the sponsoring body, out of which two shall be eminent educationists;
 - (e) one expert of management or technology from outside the university, nominated by the Chancellor; and
 - (f) one expert of finance, nominated by the Chancellor.
- (2) The Governing Body shall be the supreme authority and principal governing body of the University. It shall have the following powers, namely:

44

झारखंडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई,2017

- (a) to provide general superintendence and directions and to control the functioning

of the university by using all such powers as are provided by this Act, Statutes,

Ordinances, Regulations or Rules;

(b) to review the decisions of other authorities of the university in case they are not

in conformity with the provisions of Act, Statutes, Ordinances, Regulations or

Rules;

(c) to approve the budget and annual report of the university;

(d) to lay down the extensive policies to be followed by the university;

(e) to recommend to the sponsoring body for the dissolution of the university if a

situation arises when there is no smooth functioning of the university in spite of best

efforts; and

(f) such other powers as may be specified by the Statutes.

(3) The Governing Body shall meet at least three times in a calendar year.

(4) The quorum of the meeting shall be four;

Provided that the Secretary to the Government, Department of Higher and

Technical Education, Jharkhand, or in his absence, Director, Higher Education shall be

present in each meeting in which decisions on issues involving Government policies/

instructions are to be taken.

23. The Board of Management.

(1) The Board of Management shall consist of the following members, namely:

(a) the Vice-Chancellor;

(b) the Secretary to the Government, Department of Higher and Technical Education, Jharkhand or his nominee;

(c) two members of the Governing Body, nominated by the sponsoring body;

(d) three persons, who are not the members of the Governing Body, nominated by

the sponsoring body;

(e) three persons, from amongst the teachers, nominated by the sponsoring body;

(f) two teachers, nominated by the Vice Chancellor.

झारखण्ड गजट (असाधारण) शु. वार, 14 जुलाई, 2017

(2) The Vice Chancellor shall be the Chairperson of the Board of Management.

(3) The powers and functions of the Board of Management shall be such as may be specified by the Statutes.

- (4) The quorum for the meeting of the Board of Management shall be five;

Provided that the Secretary to the Government, Department of Higher and Technical Education, Jharkhand, or in his absence, Director, Higher Education shall be

present in each meeting in which decisions on issues involving Government policies/

instructions are to be taken.

24. The Academic Council.

- (1) The Academic Council shall consist of the Vice Chancellor and such members as may

be specified by the Statutes.

- (2) The Vice-Chancellor shall be the Chairperson of the Academic Council.

- (3) The Academic Council shall be the principal academic body of the university and shall,

subject to the provisions of this Act, Statutes, Ordinances, Regulations or Rules, coordinate and exercise general supervision over the academic policies of the university.

- (4) The quorum for meetings of the Academic Council shall be such as may be specified by

the Statutes.

25. The Finance Committee.

- (1) The Finance Committee shall be the principal financial body of the University to take

care of the financial matters.

- (2) The constitution, powers and functions of the Finance Committee shall be such as may

be prescribed

26. The Planning Board.

- (1) The Planning Board shall be the principal planning body of the University and shall ensure that the infrastructure and academic support system meets the norms of the University Grants Commission or the respective Councils.

- (2) The constitution of the planning board, term of office of its members and its power and

functions shall be such as may be prescribed.

46

झारखण्डगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017

27. Other Authorities.

The constitution, powers and functions of other authorities of the University, shall be such as may be prescribed.

28. Disqualification for membership of an authority or body.

A person shall be disqualified from being a member of any of the authorities or bodies of the university, if he/she:

- (a) is of unsound mind and stands so declared by a competent court;
(b) is an undischarged insolvent;

- (c) has been convicted of any offence involving moral turpitude;
- (d) has been punished for indulging or in promoting unfair practice in the conduct of any examination, in any form, anywhere.

29. Vacancies not to invalidate the constitution of, or the proceedings of any authority or body of university.

No act or proceedings of any authority of the University shall be invalid merely by reason of any vacancy in or defect in the constitution of any authority or body of the University.

30. Constitution of Committees.

The authorities of the University may constitute such committee with such terms of reference as may be necessary for specific tasks to be performed shall be such as may be prescribed by the Statutes.

STATUTES, ORDINANCE AND REGULATIONS

31. First Statute.

(1) Subject to the provisions of this Act, and the rules made thereunder, the First Statutes may provide for all or any of the following matters, namely:

- (a) the constitution, powers and functions of the authorities and other bodies of the University as may be constituted from time to time;
- (b) the terms and conditions of appointment of the Chancellor, the Vice Chancellor and their powers and functions;
- (c) the manner and terms and conditions of appointment of the Registrar and Chief Finance and Accounts Officer, their powers and functions;

झारखंड गजट (असाधारण) शु. वार, 14 जुलाई, 2017

47

- (d) the manner and terms and conditions of appointment of other officers and teachers and their powers and functions;
- (e) the terms and conditions of service of employees of the University;
- (f) the procedure for arbitration in cases of disputes between employees or students and the University;
- (g) the conferment of honorary degrees;
- (h) the provisions regarding exemption from payment of tuition fee and awarding scholarships and fellowships to the students;
- (i) framing of policy for admission, including regulation of reservation of seats; and
- (j) fees to be charged from students.

(2) The First Statutes of the University shall be made by the Governing Body and shall be

submitted to the State Government for its approval.

(3) The State Government shall consider the First Statutes, submitted by the University and

shall approve it within sixty days from the date of its receipt, with or without modifications as it may deem necessary.

(4) The University shall communicate its agreement to the First Statutes as approved by the

State Government, and if it desires not to give effect to any or all the modifications made by the State Government under sub-section (3), it may give reasons therefore and

after considering such reason, the State Government may or may not accept the suggestions made by the University.

- (5) The State Government shall publish the First Statutes, as finally approved by it, in the publication.

32. Subsequent Statutes.

- (1) Subject to the provisions of this Act and the rules made thereafter, the subsequent Statutes of the University may provide for all or any of the following matters, namely :-
- (a) Creation of new authorities of the University;
 - (b) Accounting policy and financial procedure;
 - (c) Representation of teachers in the authorities of the University;

48

झारखंडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017

- (d) Creation of new departments and abolition or restructuring of existing departments;
 - (e) Institution of medals and prizes;
 - (f) Procedure for creation and abolition of posts;
 - (g) Revision of fees;
 - (h) Alteration of the number of seats in different disciplines; and
 - (i) All other matters which by or under the provision of this Act required to be prescribed by the Statutes.
- (2) The Statutes of the University other than the First Statutes shall be made by the Board of Management with the approval of the Governing Body.
- (3) The Statutes made under sub-section (2) shall be submitted to the State Government and it may approve or, if considers necessary, give suggestions for modification as far as possible within two months from the date of receipt of the Statutes.
- (4) The Governing Body shall consider the modifications suggested by the State Government and return the Statutes to it with its agreement to such changes or with its comments on the suggestions made by the State Government.
- (5) The State Government shall consider the comments of the Government Body and may approve the Statutes with or without modifications and it shall be published by it in the

33. First Ordinance.

(1) Subject to the provisions of this Act, the rules and the Statutes made thereunder, the First

Ordinances may provide for all or any of the following matter, namely :-

- (a) The admission of students to the University and their enrolment as such;
- (b) The courses of study to be laid down for degrees, diplomas and certificates of the University;
- (c) The award of degrees, diplomas, certificates and other academic distinctions, the minimum qualifications for the same;
- (d) The conditions for award of fellowships, scholarships, stipends, medals and prizes;

झारखंडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017

49

- (e) The conduct of examinations, including the terms of office and manner of appointment and the duties of examining bodies examiners and moderators;
- (f) Fees to be charged for the various courses examinations, degrees or diplomas of the University;
- (g) The conditions of residence of the students of the University;
- (h) Provision regarding disciplinary action against the students;
- (i) The creation, composition and functions of any other body which is considered necessary for improving the academic life of the University;
- (j) The manner of co-operation and collaboration with other Universities and institutions of higher education;
- (k) Such other matters which are required to be provided by the Ordinances by or under this Act.

(2) The First Ordinances of University shall be made by the Chancellor which after being approved by the Board of Management, shall be submitted to the State Government for its approval.

(3) The State Government shall consider the First Ordinance submitted by the Chancellor under sub-section (2) within sixty days from the date of its receipt and may approve it or give suggestions for modifications therein.

(4) The Chancellor shall either modify the Ordinances incorporating the suggestion of the State Government or give reasons for not incorporating any of the suggestions made by the State Government and shall return the First Ordinances along with such reasons, if any, to the State Government and on receipt of the same, it shall consider the comments of the Chancellor and may approve the First Ordinances of the University with or without such modifications and it shall be published by the State Government in the Official Gazette, and it shall come into force from the date of such publication.

34. Subsequent Ordinances.

- (1) All Ordinances other than the First Ordinances shall be made by the Academic Council which after being approved by the Governing Body shall be submitted to the State Government for its approval.

50

झारखंडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017

- (2) The State Government shall consider the Ordinances submitted by the Academic

Council under sub-section (1) as far as possible within two months from the date of its receipt and may approve it or give suggestions for modifications therein.

(3) The Academic Council shall either modify the Ordinances incorporation the suggestion of the State Government or give reasons for not incorporating any of the suggestions made by the State Government and shall return the Ordinances along with reason, if any, to the State Government and on receipt of the same, it shall consider the comments of the Academic Council and may approve the Ordinances with or without modifications and it shall be published by it in the Official Gazette, and shall come into force from the date of such publication.

35. Regulations.

The authorities of the University may, subject to the prior approval of the Governing Body make Regulation, consistent with this Act, the Statutes and the Ordinances made thereunder, for the conduct of business of the each such authority and committee constituted by each such authority.

36. Powers of State Government to give directions.

(1) The State Government may, for the purpose of ascertaining the standards of teaching, examination and research or any other matter relating to the University, cause an assessment to be made in such manner as may be prescribed, by such person or persons as it may deem fit.

(2) The State Government shall communicate its recommendations to the University on the basis of such assessment for corrective action. The University may adopt such corrective measures and make efforts so as to ensure the compliance of the recommendations.

(3) The State Government may give such directions as it may deem fit if the University fails to comply with the recommendation made under sub-section(2) within a reasonable time. The directions given by the State Government shall be immediately complied by the University.

FUNDS OF UNIVERSITY

37. Endowment Fund.

(1) The sponsoring body shall establish an Endowment Fund for the university with an amount specified in the Letter of Intent.

झारखंडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017

51

(2) The Endowment Fund shall be used as security deposit to ensure that the university complies with the provisions of this Act and functions as per the provisions of this Act, the Statutes and the Ordinances. The State Government shall have the power to forfeit, a part or whole of the Endowment Fund in case the university or the sponsoring body contravenes the provisions of this Act, Statutes, the Ordinances, the regulations or the rules made there under.

(3) The university may utilize the income from the Endowment Fund for the development of infrastructure of the university and not to meet the recurring expenditure of the university.

(4) The amount of Endowment Fund shall be invested in such instruments as the Government may prescribe and kept invested until the dissolution of the university.

(5) In case of investment in long term security, the certificates of the securities shall be kept in the safe custody of the Government and in case of deposit in the interest bearing Personal Deposit account in the Government Treasury, deposit shall be made with the condition that the amount shall not be withdrawn without the permission of the Government.

38. General Fund.

(1) The university shall establish a fund, which shall be called the General Fund to which the following shall be credited, namely:

- (a) Fees and other charges received by the university;
- (b) Any contribution made by the sponsoring body;
- (c) Any income received from consultancy and other work undertaken by the university in pursuance of its objective;
- (d) Trusts, bequests, donations, endowments and any other grants; and (e) All other sums received by the university.

(2) The General Fund shall be utilized for the following objects, namely:

- (a) For the repayment of debts including interest charges thereto incurred by the university for the purposes of this Act and the Statutes, the Ordinances, the Regulations, and the Rules made there under with the prior approval of the Governing Body;
- (b) To upkeep the assets of the university;
- (c) For the payment of the fee for audit of the funds created under sections 7 and 8;

52

झारखंडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017

(d) To meet with the expenses of any suit or proceedings by or against the university;

- (e) For the payment of salaries, allowances, provident fund contributions, gratuity and other benefits to officers, employees, and members of the teaching and research staff;
- (f) For the payment of travelling and other allowances of the members of the Governing Body, the Executive Council, the Academic Council, other authorities and the members of any committee appointed by any of the authority or the Chairperson of the sponsoring body or the Chancellor;
- (g) For the payment of fellowships, freeships, scholarships, assistantships and other awards to the students belonging to economically weaker sections of the society or research associates, trainees or, as the case may be, in any student otherwise eligible for such awards under the Statutes, the Ordinances, the Regulations or the Rules;
- (h) For the payment of any expenses incurred by the university in carrying out the provisions of Act, Statutes, the Ordinances, the regulations or the Rules;
- (i) for the payment of cost of capital, not exceeding the prime lending rate from time to time of the State Bank of India, incurred by the sponsoring body for setting up the university and the investments made therefore;

- (j) for the payment of charges and expenditure relating to the consultancy work undertaken by the university in pursuance of this Act, Statutes, the Ordinances, the regulations or the rules;
- (k) for the payment of any other expenses including service fee payable to any organization charged with the responsibility of providing any specific service, including the managerial services to the university, on behalf of the sponsoring body, as approved by the Governing Body to be an expense for the purposes of the university;

Provided that no expenditure shall be incurred by the university in excess of the limits for total recurring expenditure and total non-recurring expenditure for the year, as may be fixed by the Governing Body, without prior approval of the Governing Body.

झारखंडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017

53

ACCOUNTS, AUDIT AND ANNUAL REPORT

39. Annual Report.

The Annual Report of the University shall be prepared by the University which shall include among other matters, the steps taken by the University towards the fulfillment of its objects and shall be submitted to the State Government.

40. Audit and Annual Accounts.

- (1) The annual accounts including balance sheet of the University shall be prepared by the University and the annual accounts shall be audited at least once in every year by the auditors appointed by the University for this purpose and the balance sheet shall be checked/verified by the auditor appointment by the State Government.
- (2) A copy of the annual accounts together with the audit report shall be submitted to the State Government.

WINDING UP OF UNIVERSITY

41. Winding up of University.

- (1) If the sponsoring body proposes to dissolve itself according to the provisions of law governing its constitution or incorporation; it shall give at least six months prior notice to the State Government.
- (2) The State Government shall, on receipt of such notice make such arrangements as may be necessary, for the administration of the University from the date of dissolution of the sponsoring body till the completion of syllabus by the last batch of students admitted to the University and may also cause the functioning of the University to continue by appointing an administrator in place of the sponsoring body, who shall be entrusted with the powers, duties and functions of the Sponsoring body, duties and functions of the Sponsoring Body as prescribed under this Act.

42. Dissolution of University.

- (1) The Sponsoring Body who intends to dissolve the University shall give a notice to that effect in the prescribed manner to the State Government. The State Government, after due consideration, may dissolve the University in the manner as may be prescribed;

Provided that the dissolution of the University shall have effect only after the last batches of students of the regular courses have completed their courses and they have been awarded degrees, diplomas or, as the case may be, awards.

(2) On the dissolution of the University all the assets and liabilities of the University shall vest in the Sponsoring Body in the manner as may be prescribed.

(3) Where the State Government decides under sub-section (1) to dissolve the University, it may vest the powers of the Governing Body in the prescribed manner to other societies having similar objects till the dissolution of the University takes effect under the proviso to sub-section (1).

43. Special powers of State Government under certain circumstances.

(1) Where the State Government is of the opinion that the University has contravened any of the provisions of this Act, the Rules, the Statutes or the Ordinances made thereunder or has violated any of the direction issued by it under this Act or a situation of financial mismanagement or mal-administration has arisen in the University, it shall issue the notice requiring the University to show cause within forty-five days as to why an administrator be not appointed.

(2) On receipt of reply of the University on the notice issued under sub-section (1), if the State Government is satisfied that there is a prima facie case of contravention of any of the provision of this Act, the Rules, the Statutes or the Ordinances made thereunder or violation of directions issued by it under this Act or there is financial mismanagement or maladministration, it shall make an order of such inquiry as it may consider necessary.

(3) The State Government shall, for the purposes of any such inquiry under sub-section (2), appoint an inquiry officer or officers to inquire into any of the allegations and to make report thereon.

(4) The inquiry officer or officers appointed under sub-section (3) shall have the same powers as are vested in a Civil Court under the Code of Civil Procedure, 1908 while trying a suit in respect of the following matters, namely :-

(a) Summoning and enforcing the attendance of any person and examining him on oath;

(b) Requiring the discovery and production of any such document or any other material as may be predicable in evidence;

झारखंडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई, 2017

(c) Requisitioning any public record from any court or office.

(5) On receipt of the inquiry report from the officer or officers appointed under sub-section (3), if the State Government is satisfied that the University has contravened all or any of the provisions of this Act, the Rules, the Statutes or the Ordinances made thereunder or has violated any of the directions issued by it under this Act or a situation of financial mismanagement and maladministration has arisen in the University which threatens the academic standard of the University, it may appoint an administrator.

(6) The administrator appointed under sub-section (5) shall exercise all the powers and perform all the duties of the Governing Body and the Board of Management under this Act and shall administer the affairs of the University until the last batch of the students of the regular courses have completed their courses and they have been awarded with degrees, diplomas or, as the case may be, awards.

(7) After having been awarded the degrees, diplomas or, as the case may be, to the last batches of the students of the regular courses, the administrator shall make a report to that effect to the State Government.

(8) On receipt of the report under sub-section (7), the State Government shall dissolve the University and on dissolution of the University, all the assets and liabilities of the University shall vest in the sponsoring body.

MISCELLANEOUS

44. Power of the State Government to make Rules.

(1) The State Government may, by notification in the Official Gazette, make rules for carrying out the purposes of this Act.

(2) All rules made under this section shall be laid for not less than thirty days before the State Legislature as soon as may be after they are made and shall be subject to rescission by the State Legislature or to such modification as the State Legislature or to such modification as the State Legislature may make during the session in which they are so laid or the session immediately following.

45. Completion of courses of students.

Notwithstanding anything contained in this Act or the Regulations, any student of the constituent colleges or institutions of the University specified in the Schedule and affiliated to any University who immediately before the commencement of this Act was studying or was eligible for any examination of that University shall be permitted to complete his course in

56

झारखंडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई,2017

preparation therefore, and the University shall provide for the instruction, teaching, training and examination of such students, in accordance with the courses of studies of the respective University in such manner and for such period as may be prescribed.

46. Power to remove difficulties.

(1) If any difficulty arises in giving effect to the provisions of this Act, the State Government may, by order published in the Official Gazette, make provisions not inconsistent with the provisions of the provisions of this Act, as appear to it to be necessary or expedient for removing the difficulty.

Provided that no notification order under sub section (1) shall be made after the expiration of a period of three years from the commencement of this Act.

(2) Every order made under this section shall, as soon as may be after it is made, be laid before the State Legislature.

झारखंडगजट(असाधारण)शु.वार, 14जुलाई,2017

57

SCHEDULE A

(1) Acquire not less than 10 acres of land for its main Campus, if single-domain, and 25 acres of land, if multi-domain within two years after starting the functioning of the university. An integrated campus may have certain facilities in common such as auditorium, cafeteria, hostels, etc. and hence the land requirement may vary accordingly.

(2) Construct administrative building of at least 1000 sq. mtrs., academic building including library, lecture theatres, laboratories of at least 10000 sq. mtrs., adequate residential accommodations for teachers, guest houses, hostels which shall gradually be increased to accommodate at least 25% of the total student strength in each course within 3 years of its coming into existence. In case the University is conducting professional programmes of study, prevailing norms and standards of respective statutory body shall be applicable. Existing institutes must undertake expansion/renovation/restructuring to meet the prescribed norms of the State Government.

झारखंड रा:यपाल के आदेश से,

वास कुमार #संह,

धान स0चव-सह-3व0ध परामशw

3व0ध 3वभाग, झारखंड, राँची ।

झारखंड राजक?य मुणालय, राँची वारा काशत एवं मु:त
झारखंड गजट (असाधारणअसाधारण)) 490--50